रांम दा बैरागी
दोपी मगरावदी
२५
Acc 3048

प्र॥ श्रीरांमजी सति॥ अथ चिकत्रलासार लिख्यते॥
सोरठा॥ कमल नयन स्रि लाल नाम बदन ए
करहु युक्ति बार द बिरद प्रतपाल हर बिघन
म औराधपत १ कर मुरली उर माल सु लट मु
कट सिर नूकु छटि धनजु सभा संग लीये
गवाल [illegible] दरै बिघ्न घनस्यामजु २ छपै॥
सुंन्य चवू गज चंद्र बर बिक्रम सुब दार एक॥
जेठ सुदी रवि दूज अवर हर गुर दीननार

क पायोगोबिंदप्रसादसा ग्रंथनकीलीनो ना
मचिकतसासार ग्रंथ रुद्रजामुकीनौं किरपा ग्रंथ
छिजनलछीताकोनंदन धीरधर कस्यो ग्रंथ मूंजो
कछूलेस सुधारि मनुमतैदवार दोहा पायब्रवये ३
चितकीकस्यो चिकतसा ग्रंथ मतअनुसार
बिचारकरलैसिघ्रताटक ग्रंथ ध कोपत्री ष्ता
वलजीनसाहरनीकोभासा चा
रभासेकोटंक मासादसफर ब

प्रकास चारकर षटपल जांन
बेंर दमसे नलाबषान चा
लीमासे पल कुडव का चारप
ल चार कुडव कौ प्रस्थ चार
प्रस्थ कौ अढका द्रोन बलांम
हगनी जानि लघु नरफल जुगी
ता तै कहीं वि चार यह पर ना
षांका १ लिंगको ११५ ब्रे डिल ॥

रती तै लै कुडवन कर जो नी जिये
॥ गी लै सू बोडव्या चा ग सम की जि
ये ॥ प्रस्थ आदि लै गी लो डगु न बि
चा लिये ॥ सो पल न च कछु सं कदे
लि दु कदु ग न न डा लिये ६ चौपई ॥
छर ती को टाग प्रकासा रती आ
व कौ को नो मासा ॥ साठ त्रिमासा
दिरम को छाला साठ चार मासे मिसकाल ७ बा
रमासे तोला नाम चौदह मासे कहि एक दाम १८८

साकुडागिलोएसतावरजानिये आसमधमन
पेगसोफवषानिये पुनरनचाएहिदरवनगी।
नूनीनिये कह्योसारत्रअनुसारडगासनहिकी।
जिये १० चोपई चमनमासरहाएकेपे हीनढोर
जहोइग्रुननहीकरे गोलीकहीआपनपरात हो
इजुत्रपनेगुनतेमांत ११ कह्योतेलघनधितअ
देखेह चामासतगुनछिनतेह गुड़आसवर
समपधातपगानी दिनदिनहोवेगुनकीघानी १२
कवित सेदामसामेदोंअंनावेमेसताचालजीव के

कठोपनविन्तुकनियेबिदाजित सियविधिया

बतुकंदस्त्रानियेबगदीकोदेनकाकोलीबित

त्तीजिन्नसंगाथसतु सिमरीकेम्रनाबेथाडचाबा

छिनमादीलेमथुके म्रनावनीजेगडजोधुगनो

त्रुति चंदनम लिपाबके म्रनावेर के चंद

न लेदारची नी बिन्तु नी जेबंसरोचना

सुमति १७ करतापुरखु नमनो बिसर

पबिबथरमेदगदोहेजा हिकहकुह

कासवासको आपची गलनंडरोगन्ना।

म अतीसार मेटै कफ पित्त रोग की पी
रन मै प्रकास कै   ना सां चालु टै ठपा
ब कफ पीनस अपसमार ज्ञुर ठन् मंद
र क म अतीसार जा सकैं   षसवे मंद
अगनती अजीरन दीपे कु चरे गजा
के अंग ढेबे छरद्द करा बे ना सकैं १४
तिम म री गुल किमी पांडु रोग पु
न नु बै १५   उदावरत सुवैर घाती

अथ कफरक्त पित्त को रोग ॥ अर्बुद पुष्ली पदयं
त्रि स ब ब क पाक प्रि र रोग रक्त पित्त पिडका खि
कु ध्वि उ पदं प्रान को पोग कांन द्वेव अरहना छि
काप के दोत दै जास ॥ इनको रक्त पुप्रा स्त है का
है आवरास ॥ इति रक्त अजोग विचार ॥ दोहा
अथ कफ संगइ ल्यो सौं करे पांडु रोग रक्त प्रा जो इह
त्रि हसूब का पत्नी व पुन और गु रब लगो होइ
इनं कौ कदेन का छि ये श्वास का सब मी होइ

उदर सोथ जा केर दे ता छिन काटे कोट २४
अरस रैन कीये जा गर ता घी रा कफ पीये
मव मल स्वास पुन त्रिष्णा छिन कीबा प गद
बाल खि धन रथी रा। त्रये अ मजा सको जुक्त
कर्यो दिन सैन त्रलै नर तास कौ २५ छपै नर
ज्यर कफ चमर कत पित सिर मैनु रोग बद ब
दन ९ रोग बिसफोट अजीरन कै ग्रामहा
रोग गदे आन ग्राम अती सार और बिखा

पेपु निनिधत नर नीर दता दि २६ छपै · प्रुस ना
नारा ब्रम चि खिस खिकाव तड नक्लं लंघ सुधका
री कांम क्रोध नय प्रेम कजु तब्बा लब्बु ध कप्पधा
रुनर नार गंबनी खिर न्यारी बा तडवरी लं २८ घ
नवकर २५ दोहा छुदर नैन ब्रूस चिंजुर मंदा
गनिमधुं मेह मेहरबु गरहजजास कैं नारक
नुकनै हदेह २५ छपै नवक्वरमेहर ब्रस खिग
लक्क्वहदमरी दोरा संगरहगपुन ब्राधमान

स चरनदीनदे संतमाहिजनन कोरमद्रा ५ है गीम
म सरदह संतमाहिजनन अर्धघट जब भ्रमाहि
तु जल स्नान अंसजनते जागपावै सब कुयथा
व्रती करन जतपावै ज्ञोम मठ संतमै सरत
ङा गजत यापावै जु सिसरदे संतमै २७ सोदा
अंत शिवजत मै घर न पावै जान चिरजीव
सनजत निरम मन सरद मै मन न्हावै सोया
वृन्हान २८ इति श्री सारसुत छिज धीरजरां

मक्षिकारचिकलसासारहैबुगंधकालि
मीतज्ञानीज्ञाघाजुक्तश्रीजुक्तविचारेना
मग्रंथमोध्याय १ दोहा श्रीवकहूरसंधी
तकोनामाकहैंबखान गुरपदहैसीस
नवाइकेहिदैधारजुमुरार १ सर्वधातसो
-६ धनविधन लेलेछोछगेमूत्रमैंकांजी
कुलथका प त्रिफलाकाथमैंसुध८
नकरसकलधातकरदाय २ सकल

धातुकसमानमारनप्ररल मनसिलगं
धकखाकमूडधचोहेताजीये सुरमा
हिककेयंवृजुतेपनकीजीये बारबार
करलेपनगडपुटदीजिये बारहपुट
मैंसूकलधातरड़कीजीये२ सकलधा
तबिसेषसोधनंतताकौ स्वरूनसोधन
कुटछालकचनारकीलीजेरसनीक
सोइ सोध मुरननंदबारवयु कर

करनयनबुझाइ ४ मारनबिध कबित्त
सोनेकेपत्रनकेतुल्लनीजैपारदकोघो
टघोटखरलमधगोलाराककीजीये
सोनपारेदोनूंकेसमानलीजैगंधक
पुनगोलेकेनीचेऊपरवाहरदि
जीये गोलाधरसरावामोवाकोकु
परोटीकरतीसबनउपरांकोआंचमें
धरीजिये याबिधचौदहपुटबारबा

रगंधककेदे क्रियापाईस्वरकी सोनामारलीजीये प
सोनामारेगुनकर विच्र तिकत्तकघाइमीचेसात
लगत पवरेकासस्वासपरमेहप्रदरगनमादको
वमिमईषरापीत्ता अपसमारसलैर जेवरर कुपि
त्तदत्तहरेविषके बिषादकोनेवनकोपथादरे ।
तीनदोषमासस्यैासुनिकरेबुधकीरजबलमनके
प्रसादको काचोअसुधसोनादेहकोबिनासक
रेदेहेबुधनीरजबलसुरबकेसवादकोदरपा
सोनासोधनविधिदोहामाक्षरबनैघनहरमर गांवपत्र

मारनविधिकवित्त रसकेयत्रनकेसनलीजैपार
दकौंदोनोकौंघोटकीजैपीठीकेसमानबर गंध
कहरतालदोनौदोनोदोनोकेसमानलीजैदोने।
मैंडारदोनोनिबुरसमरलकर सराबा मैंडार
कैपरोटीकरसराबाकोमूंकेअब आंचाजतु
टमैंसराबाधरैदोइतीनआंचाहनमैंसत्तमांनमे
रोकसौ होतहैअनुरूपपरसउनवत्तमर७
मारारूपागुनकरै कवित्त सीतलनाबाइमा ८

होमाको दोष तातें दारि चिकन पुनदी पन परमे
हैदाको हरे नेत्र गद कुष्ठ गद मेदा गद मदग
दयदमा गद अपसमार पांडु दगद करे सल
पलीह पलन तज्वर हरे करे कात्रि तन मरोरू पर
स सदा ऐसे गुन कौं धरे का चो अस्रुध पांडु
कंठ गंड गल गल ह गद कर तें बिबंध बीरज
नास करले मरै ॥ ता बासो धन बिध दोहा
ताह मूत्र मैं पद्ह रजार तां मपत ॥ ऐसो तांरा ओ

दोहा ॥ जो पन्ना चक्कवड़ी करै तांबर सुध होजाइ
पन्ना चक्कवड़ी करे तांब्र सुध होजाइ ॥ ९ ॥ तांबा मार
न कौ पै पारो रस गंधक रस जंभीरी मैं घुटवावे
कंटके बेधी तांब्रु पत्र कर ता सो फिर लपटावै
सरवा मै धर पत्र अंध गजपुट मे जारै तीन चा
र दे अंध रा इह बिध तांबो मारे दे [illegible] जंत्र प
चाइ फिर गारुड़ मैं पहर अठर अमृत रूप म
त तांब्र होइ पुष्ट करै सब रोग हर ॥ १० ॥ तांब्र गुन
कबित्त ब्राह्मि मन्दर व्याध पांडु पलीह

स्वासकासउदरअफाराआंतरक्रमिगुल्मस[illegible]बात
गठ सूलपरनामसूल अरुचिअवारहै कोठ
अमलपित्तरक्तपित्तकरैछिनमाहिरदःसीतलसुजा
वकरैपंचबानबलपुनमारैजानतांब। ताकै
सैसगुनबैदबदकादोअसुधजांनतांबुविषकेस
मानकुष्टछिनरोगअधमानआदरोगपद११दो
हा पातलकांसीमारिये तांबेक्रियासमान सोधन
तिहसमकीजियेगुननीतिहसमजांन१२दोहा

सीसावंगगराहृये छिन्दहंडंकाराहि आकन्धमैडा
रियेसोधोइमदेककाहि॥२३॥ सीसाचंगसोध त्र
घसीसमारन अइतन मनसतसीसाबं। सारस
मैघरलकआंचदेइफिरघोटफेरिदे आंचबरची
नबारहमआंचदीयेसीसामरे यहसीसेकोन
समभेहसबवमकरे॥२३॥ औरविध कहै सीसासे
धमामगाराकमपरामेदीजै नीचेबालोआग
लाहडलरूपीकीजै मनसीलडालेहनक

तनकफिरकरछीमारो अबवहिक्तड़हैंअसम
रूपतबनतेतारो गंधकसीसेअसमसमनिबु
रसहोकुमरलकरतन कआंवफिरदेहयाछि
धसीसाजाइमर१४ अपमुन अडलहरेवि
देषपरमेहगलकेरोगको संगहरणीकेतरबिना
सदेतहैजोगकौं अरसरोगब्रणरोगहरेसीसासु
जन करेसुसुधपरमेहकामत्ना॰छेई तन१५अ
घवंगछपै बंगदकहरि तानआकके दूधघुता

वो सुषोयोपलदेषछालपुनताकीलपावो करेछा
लजोकोटच्चधहींडीमैंपावो तापरदूकबंगस
हलहरतालविछावो तापरडारेछालफिरगऊ
पुटदेकपरोटीकरयाहिविधसौंसातपुटबंगगु
नवंतीजोइमर १६ कवित बंगसुधपपरामैंडारि
नीचेआगबारआचैंकेलगतउबजलरूपीकी
जियेडारडारहरदीहलाखलोकडछीसौंजू
बंगजसमकें रहेफेरलापदीजीये काटस्वा

गसीतलमिलाय दीजै अरसस्तोरासर वा मैं डारजमकु
वार पुट दीजीये कुंद सुसपंडउ समसेत रंग बंग
का है कर तत्र अनंग बलभ डपाइ रीजीये १७ अथ
गुन कवित्त नछन्रूपति का कंफ मेद छरद क्रिम
रोगक। सप्रमेह छई रोग को हरे छुधा करे बल
करे कांत करे तन के पर सु पन प्रमेह आधमान
रोग छेके रे मारिय पा बिध बंग बुध को प्रकास
के याही मैं अनेक गुन पुर बत के धरे काची अस

धबंम करत प्रमेह सूल न्हाये गद गुल्म आदव
क्तं तेउपगुन १८ दोहा फूलेना सोरेन दोहा त्रिफ
फला सोर हदं कांकर आवगुनोजलपाइ ता
कोलीजे कुवाथ कर अंस चतुर्थ रहाय १९ सा
लोहपं चपललीजाये ताके पत्र कराइ १ क्रि
त्रिफलाजल मैं सौधीये ताइ ताइ बुझावाय
२० मारन विधछपै जौह चून मैं अंस चार ये
इगुर दीजै घीकुवार रस डार महरउ गम

रत्नकीजाये डारसार सरवामैकर ताकोक
रे॰ पूंटी सूपजाए तबदेद आंच गजपुटकी मोटी
बारबार गुरमिलेकनपारस मैंपरतक सात
बारदूम आंच देजलतर होइदै मर २२ अथ
गुनसोरठा बातपित्तकफ मेदपाडसूलअरु
नैंनगद दरे सुधमित लोदबिनसोधे बंकिग
दकरे २२ अथ अन्नक० अडल कारे अन्नक
ताइक्षधमैसरदक चारपहरको लाईरसमेम

रखफिर चारपहररसडागरआवरेघोटीये ।
होइजाइजबसुधतब [illegible] धरहोडीये
२ अथमारन कवित्त कीजैसुधअभ्रककोर
बलआकइसेतीरकदातकफेरटिकीआंब
नायले आकपातसोलपेटताकौंकपरोटी
करयाहबिधसातबारगजपुटमैंपकाले फे
रखटंजटाकणताकीपुटतीनदीजैमारौभिद
वेदसंचकसमछितपचायले कोटकोट

गुनकौंकरत अनुपानसंग २ हरत अनेक
व्याधकांकौंप्रकारा है २४ औरविधि दोहा
एकन्ना ग अभ्रकक हा नागसुहागा देय घो
टदोय गजपुटधरो अभ्रकभस्मजु होय २५
अथगुन सोरठा कुष्ट मेहदबुएगरो गदहरेकरे
बलबीजकौं अनुपानके जोग अभ्रक हरै अ
नेक गद २६ दोहा घाटो घारो बेर अरभटाकर
कटीतेल औरकरे ताघाइनहिसो अभ्रक ।।।

ककाघेल २१ अथ सुरन माषी कवित चौनमां
गस्वरन माषी सीधक्लेन्गारा कडार के जंबी
रीरस न्नो हयाव मोरषाय न्नो हयाव सौं हल्लार
जौ न्नौ याव नन्ना लक्तं एदै मंद आचमाषी सोधपु
हबिबैदराय खा ढुन मधषरलकी जै गजपुट आ
चटी जै मारी स्वर नमाषी मधुर तिक्तं सी तदैसु
न्नार कफपित मेहको टषई रोग हरै करै कन्ना
नजांन यांके गुन कोषन्नाइ २२ अथ रूपामाषी

अद्रिखार सजं न्नारी और क कोडा मेढा सिंगी रू
पामाषी घोटिये मं इन तीनौं संगी एक टंक नापुट
देइ ब रू ती घा मा मे रू पा मा षा ढि डा रिये का मोंठ
मा मे २८ इति धातु पषानां सोधन मारन अथ पर
स सोधन कवित्त नीबू रस षरल कर इंगुर कूंप
हरता क हांडीया में पारा हड आं पर हंडीया धर
ता चे चा के आंच रा क पहर ज रसी ता ल हंडीया मुष
बो लै नी हां डी क पर की इंगुर को पारद निकाल

ਸੋਸ੍ਵ ਸ੍ਰਮੁ ਸਾਰਮ [illegible] ਰਮੂਲਕ੍ਤ ਰਜਵਨਸ ਮਤ੍ਰ

ਕਬਿਤ ਕਾਂਜੀ ਕੁਮੇਤ ਤਿਲ ਤੇਲ ਕੁਚਾ ਪਬਿ ਫਲਾ

ਸੋਧ ਹਰ ਤਾਲ ਦੋਲਾ ਜੰਤ੍ਰ ਕ ਨੀਬੂ ਰਸ ਮਲੇਕ

ਰਸਿੰਧੂਰ ਘਾਮ ਮੇ ਸੁਕਾਇ ਫੇਰ ਘੋਟੇ ਤੰਦੁਲ ਜਲ

ਸਾਥ ਦੈਤ ਸ੍ਰੋਗਨ ਦੂਰ ਹੂ ਕਟ ਕੋ ਬਿਸ ਕਰਬੁ

ਧ ਰਾਤ੍ਰ ਧਤੇ ਲੀਮਾਹਿ ਸੋ ਪੈਦ ਲਾਦਲ ਦੋਲਾ

ਜੰਤ੍ਰ ਕਰਿ ਪਹਰ ਚਾਰ ਨੀਬੂ ਰਸ ਚੋਇ ਦੁਧ ਮਾ

ਹ ਪੁਟ ਸਾਤ ਦੇਕੈ ਗੁਰ ਕਰ ਕਰ ਸੁਧ ਸੋਧ

कुचलाघृतनूजकर १४ बिछुआ बिदालं
औकुपोतकीमेघोटेअंसदबोसुहागा
देकेगजपुटदीजीये दधिमधुपुटदीजे
[illegible] त्रमलबमआदेदेकेअपगुलहरतनी
नाथाथासोधुराजीये सरमाओटेरका
पत्रिफलामैसोधगुंजापहरन्नरकांजीमैक
बालसुधकीजीये आदेकोइकीसपुटदीजेते
अफीमसोधसोधीयेसुहागाआगमैफुलाइली

म

हरतालनरसदारके बिजौराकोसिलाजितघु
टीजीये आचबनकेपत्ताकी आंचदेकैबैदव
रकरविध ऐसी सिलाजितुमारलीजीये ३१ क
वित आनमत्र अजपाल छीलबकलाकरताकी
दालअंकुरनिकालहोलाजंत्रमैधरीजीये ए
कपदरगायत्नधमीतरपचाराकेरमदछीमल
बीलपदरचौइ आंबदीजीये धोय तातेजल
सौफेरपीसनदेछपरासोंलेपनकरमंदआ॰

चरन समस्नी जीये तिन्हू रस घर लन कुलन कर
घाम मे सुका ए राखै अजै पोन पाद्दी बिधि राज
जो प्रकी जीये इति श्री सारं सुतत्धिज धीर अरं
मकुतगुण चिकतसा सार धातुप धतूर सोप
रसानासो धन मारन कथिन नाम द्वतीयो ध्याय
२२ अथ नाड़ी परीछा कवित्त कर अंगुष्ट
मूलकी बिलोकि नाट का की गत सूछम ड
ड जीव के बिचारि कर देखिये पित कफ का

नपित्तत्तिलगुडदूध्हिरे दिनरैनिचूगनिश्रा
द्र दिनकोपसैंनकीयेषारकेबसंतरितक
फकोपकोकरे इतिपित्तकफकारण अथ
वातपित्तकफलछन अंडल बिटगनदृजिव
श्राधामानमूषसूकई भेदकंपरोमाचरेन
निदगईरसषषारतनुतरततवैनमुषसौकदै
अंगअंगमैपाड चिहनसोमारुतएदैई ६
तिबाइलछन अथमूरछा अतेसारहूप

रक्तापसुराबक्ज पीतकटूकमध्यपाक त्रिधात्र
तपित्तकोपकटूं सीतत्तथारेमा चकंगुरुत्तात्र
धकाई स्वासकासमंदाग्नकंडूं श्रवैबात्ताई
ह्रिये नारीमुखमधुत्ताकफप्रकोपन छेनराहे
खिदहनसंसूहखिलौके सनपात्तबंदजुकदे १०
श्रथवाइ पित्तकफकोपनपात्र खडल त्रां
त्रिदोषकोदोषनपावबालिये प्रथमेसमन
सुसोधनद्जेजानीये श्रामसहत्तबकबधो

दोखसो धनकरो होतनरांमजोदोखबखसोधन
करेश्रौषद्दधरे११ दोहा पंडितवैदसुजांन
नरजाकोहैरादहरीत बटेचिकतसाकोजो
येकारणतेबिपरीत१२ कबित्त बासागले
इं सुठीपीपरहरडेबबचचबकश्रमलतास
सोयोदेवदारुजांनश्रसगंध गोषरु बिधा
राइंटसिंटसोंठ यरडस ताकरधमाहोश्रौ
पतोसश्रान धनियामहरंटोदोइ पीपरवा

सास मरा सनाइ ग्नागाक्काथ्य करीये पा कोसु
ज्ञान सुंठी को मिलागा चूरन त्रिथ्यवाई खंडते
लैपौ जै क्काथ्य प्राप्त करत सकल बात रोग
हरन १२ रास नादि क्काथ्य कवित्त चीताह
रड़.व व पीपर मीर च सैंा व सो चर ज्ञुवाहू
नवहिं. गकु हजीरा जांन गपा २ रद्दिव सदे
श्राव सो सौं बेचार वारह तीनन वपाच न्ना
गरा तेकम करि श्रान गुड़.लै पुरानो न्ना

द

ग कै सी मीलाराकर गोली षाइ कै। चारत
पत्त ज्ञल अनूपान मुष सोष दूरत करत कु
म्यानतत नवात व्या धसकल करत छिनमा
ह हां न १३ इति वात रोग गोली - कवित
सेर एक तेल मीठा तेल सेर दो धतूरा रस डा
र लोह बासन मैं नाचै आग कौं जरावै पैसे
पांच पांच नर कनक बीज गुंज विष पीस डा
र राषै तल मंद आच सौंप चावै

रहे जंब तेन ओं एर सधप जाइयां कोनी चेकु
तार घटी दोरादंडसू धोटारा ओंगओगपर
कौं करि तखिन मादि अंग तेन मनदेदीसं
गबातक्या धकौंनसा ॥ १४ बातकौं लेन ओ
खुले लेकपूर बूरीदकूनज अकरवी मोता
मंगां अधरकी हरबालेनबी अबरेसम मुक
रज पुनिया मैंपाइये सकरकरमिसकालें
मंगवाइये ॥ १५ क्या मनसरबसुपेद जहा मासी

जुसुन साजहिरदबीसना अवरलवसपु
नसोग छनारा अबरजुंद बिंदस नरपीपरे
आधआधमिसकानयदस नेलेधरे १६.
छैरतीकसनूरा मेलर थाईये सुन तेडग.
नासहतकि मामचमोरैये ओषद कुट
छनाईसे नेमाउनेकर चार मासे केबा
दकाटकेमारफिर १० बदन नेग अर
धगवातकेरोगसुन चातुर्थीक ज्वर

अपसमार कौं हरे पुन कांति करे बंधा
तु हरे तीया गर जरी हि बारा राक मित
का नद वा ३ मा प हर बा प १६ ति बात
रोग हर वा कंसक अथ रस कवित संखी विषमर
च चिराइ ता समान भाग पांच भाग इंगर ले विष
मिरच खरल कर फेर लो द्र बान मे कूर घोटवो ४
बसन लोह डंडे सं दिन तीन घोट राख धर रती एक
अनूपन कर पांन संग नाम त्राल मो चनर सदेत

आधदरबा तक्षा छिरे गतेरे बिनाद्दो एद्द जोपै
त्र जेएक बार खि समद्दरी द्दर १९ अथ रेचन प्रका
र अडन पाचन और मुलायम पथ्य मे दी जाये
तासूसं चेतदे षज्जुपु षता की जाये फिरदेसो
ध ता द्द दोष निकसाई या सो धन पीवै फिर तफ
रादब ताइये २० अथ पाचन अडन सो फत उस
षूतसं मूलोची नाजीप पर स्पार्वसां गाकजुवां
फिर दी जाये बाद रंजवो यांने इनकों का ष

कर षंडमि लाइ पेलाइ बार कौं पुष तकर ॥२१॥
अथ बापु कैरि बचन चौपई परस्पर बसंत्रस
लत्र स्रुत गाऊ जु बांपु नकसन षइष्र सरना
ए इसकपेचे के बीज बाद रज चोयां फिर लाइ
२२ यह सब तो ला तो ला त्रान दस दा ने उना
बबमानं सौं फबे बचौदी यां लीजै बेबे मासे
इनकौं दीजै त्रिफेतां मूमा से सा तप्रमाना
नाष्यो तिबनके गन माना दांने तोसमपि

साताधरे एहसन्न औषधकाढाकरो २२ चारकु
ले रकबकिरमात्तामें चारकरमगुलकंदजुवेले
बेमासेरोगनबैदंम डालकरोरे चन अन्बरा म२
५ बेमासेमपारीकंन्नार बालोकीदं घीबिनवा
रा प्राहत्तीकाठेकूपरधरपाबरेककरिमासूतहर
२५ अपत्तफरीद सोंफकासनागी कजुबान
नेसन्नवनके अर्कसुजान अर्कबेदमुसकगु
लाव राहतबरीदमिन्नाइनसाव २६ त्रिडतित

५ पै२१ अथ सरबत निमर की करनबता दोहा
आधसेर ५ मली अबर दो ५ सेर जलनपा ५ या
कौ काथ जु की जाये अर धर देहि छिन वा ए ५ २
खांड सेर अर पा ए कर की जेन रस किं मा म ३ रे
पित्त अरुक बजर बूम सरबत निमर जु मा म ३
३ धिर फाक ५ बीज का सा रा पूसा चार ए र
बत निमर दोम ३ ए पी ये निकौंटार ३ ध वौ
पई नै खि दाम मा कै खिन फसारा दफा दस

पाव डारकाथकरनाथ्योसाव पीछैकाथमिस
रीफं डारनपित्तकोपहैरै तत्तका॥ ३६ अथ खारे
चनकवित्त पांच टाकलीजै येसबा५ मकत्र
हौदे ग्रहर ८ः दसटाकटांनलीसबलैसतनाजा
५ मिलीदसटाकटाक ५५ रागलनीलो
फरकासनीलीजाराद्दिनरात्तप्रातलीजैखा
तपित्तकौहरै दिरेक प्योऐसोगरमकरवी
सटांकलैकैसीरषसत्तडारप्रातकीजैपांन

ई सबगोल अरक कासनी गुलाबबीदाद्दं
ना सरबत्त मिलाइ नीलोफर का त्तबराद्द
आंन धप अपसरबत्त नीलोफर वीकर तब
तारांमचोप ६६ वार टांक नीलोफर वा
५ तीन पाव जल मे औटाए ५ अर धर द्द जे
जलाने छुन वारा पांवटंक चालीस मिलाइ
ताकौ नरम किमाम बनाए घोट डंडसौ
सीसेपारा वै सरबत्त नीलौफर मित्त द्दरसि

रपीरंकासजवरपित्तध। १८ तिसरवतनीजोप्र
र चौपई ग्रलू स्याहपुन ग्रलूबुखारा सुपि
स्ता दांनेतीसनिरधारा ग्रालूजरदपुसक
द सदांनैं ८। मलीहदसदिरमफिरग्रानेबी
सदेरमनुरंज[illegible]न्यारा पांमस्वेतहदसदि
रमैं पारा सकन्नरानतरारा बोन्निजवाद प्रात
कालनीजैछनवाद छैमासेनिसोतममापा
रा कुटकांनत्तामैंमधुरसाद नीमगरम

पीपरं रा द्दि नारा च चव्य बखान करथ ॥९॥ एक त्र र चा
टिये त्रर न मधु के संग मूत्र पित्त कफ गाढ क
रे अफारा संग ॥४७॥ इति नाराच रस अथ क
फ दोहा कक ड़ सिं गी पी परे कट फल प
ह कर मूत्र सहत संग चाटै कर तक फज्व
र कफ ज्वर निर्मूल ॥४८॥ चौपई कुंदर अ
वर मस तत की न्यारा पांच पां चद्दिर
मैं तुल न्वाइ अनार द्दा नापुन पं हद्दि

रंमैं सात दिरम कर अगर जुहरने मे
ध ज्याती फल जवत्री लाइ इलाम्रो यकें।
ग मिलाए चार चार दिरम सब लीजै फु
ल गुलाब दिरम मैं तौं कर बदीजै ५० पाल
लुरंज मुसक पुन दरस दिरम पह दोना
मुन पाच दिरम आवेले न्यारे पांच
दिरम छड़ लै मिलवाए औ सद बसंग
लै कुट छनाप तीसं दिरम मिलित पत्र उव

खाइ॥ अरक बादयां अनूपान होइ रो
ग कफ छिनु दीन ५१६ इति कफ चूरन
कवित्त जातीफल एला लवंग नागा
केसर लेत पातदार चीनी चंद नकपू
र आंन बिलोंबसरो चनलार अमर अवेल
लै पीपर तालीस चीता मरचै बिडं. गजी
न सौवा कलूंजी समना गसल्ल ब्रोषद
लैस नकेस मान पां म चूरन कर कूट
छान मधु संग चाटै कफ कास स्वास

स रनह गा पान सहर जाती फला दि पह
क सैा बमान दूसि जाती फला दि चूरन
करि त आध सेर षाम दजीये कि मा मकर
कर के कि मा मुता मैर ती औषदी मिला
५ लौंग जल वंची मस्त कीले तीन टांक
पांच टांक अगुर चार सो स्त तुरंज लपा
८ जायफल सौं वपा परे लेराक टंक के
सर लाराची छड दोए दोए टंक पाए न
द कोज वार सरा हि तपत जल न खून

पान मासा टंक दोइ कफ मंद सुधा कौं नसा

य ५५ अथ रस चौपई पारद सुध दोए टं

क ल्याइ टंक दोए गंधक मिलवाए दो

ए दोनो की कजली करवाए आंवटां के

फिर कौ डापाए मासे च्यार सुहागा ली

जै गाइ दूध सब मरदन कीजै ताकी ले

ट की पाचन वाइ सोलह टंक संग फिर

ल्याए दोए सराबे मो लम गाचै तिन कौ

कू चूंनालेपकरवै संपट का खरूदिकि
ये। श्रोन सरावा भीतर धरे सुजांन पट
सरवा कौं कपरोटी करे सेर एक छप्पै
उपरधरे आगन सीत ताकौं निकसाइ
टि। कीयोसं गास मेतंपिसाय मासेध
मै मरदन करे फेरवहीविधटिकेयाक
रे सरवाकौंकीजै कपरोटी आंचदेग
जपुट कीमोटी स्वांगसीतकै लैतिसाइ

कचूरौ रिद्धि वा मै पाए जोक नाप्यर सरती
देइ अनूपांन सौं खावै कोइ सकल अनूप
न न केसंग ग्यारह मर चे करे प्रसंग घृतसौं
बात रैकौं हरै माखन संग पित्त छै करै पीप
र सहत संग चटाइ कफज्वर बिखमज्वर
न हिसा रदं र कास स्वास संग्रहणी अतीसार
कि मत्ता मंदाग निद्दार अरु चेपई कफरो
ग उहोए सहत संग चाटि कर खोइ देह देह।

ड नकां सेपानु मैं राद संजमर सन्नछक अन्न
पानके रोग सौं न्नौ कनाथ सन्न रोग दूर हद
त्रिलोकनाथ रस अथ सोधन स्वाद मंज
सब्र डल सौंफ अनी सूबादरं जबोयाकही
पस्पाबसरटक देराय सदी दांन पच अजी
रमेलसन्न काथकर घोल पीव गुलकदरो
गकफ नास करदै ७ अपरेचनं दांनेसात
उनाबमगाड तीससपिसचातामैं पाड दा

नेप चतरव अंगीर दाम नें दां नेदसबीर ६८
नै मासे जावैं नां मधदाजै नै मासे बिसफा
रजुल्लीजे मासे श्राव अनै मूल्यारा तै ल्याए
कसनारल्नारह ६९ बेमवादीयां अस्फुज मो
द बेसकोसनील्यावै बोद छे छे मासे पहस
नजांरा तैल्नारक सौंफ परवान ७० इनको
ल्लीजै काथबनारा चारदाम किरवाल्ला पाउ
ड ल्लकंद पुनमेलौ चौदह टंक जैवै दामगा

कटंकनिंस ॥१॥ अरधकरषलेत्रिबीमगारा
निसीक्राथपरधूपिनारा कफकौरोगजुदे
तनसाइ दीयौबैरेचनसरसबूताइ ॥२॥ दो
हा तफरादकंद्रीजोबातपरबेदमूसक
बिनजान धूरसेलंगापीजीये कफतफ
राब्बबमान ॥३॥ सूडंल पीपरसौंवनिसे।
पउत्रअनयालीजीये सौंकरलौनमिला
इउतचरनकीजीये तातेजलसौंपायेपा

श्री

वसममूलनहर असिअफारा श्रामसब्बात
कफडरकर ७५ इति श्रीधारजरामसिंत
तंथचिकतसासारखोनाड़ीपरीछ्यामूत्र
पछासाध असाधलछन दोषदेनुलनछ
नमनामृतनीपोध्यायः८ अथजरविचा
ररोग दोहा प्रथमेलछनकोजाये पाच
नदेज्वरवाच अतेजुरेचनकोजाये दूरके
रेज्वरनीच १ धनियांसुठीदेवदारुदो

रखान श्राधपावजुबिनफसाप्ररै कूटछा
नसन्नचूरननकरे षांडसेर एकमेरलीजै
सेर अढाई सहत मिलीजै मधुअरषांडकि
मसबनावो कुटछानऔषदै रलीवोद मां
जुनसफादैयाकोनाम कासत्रिषाज्वरहर
श्रवरांसकफपित्तछकीरीकादा औषदयुक
तिबबनासौजनहा७ इतिमजुनसफा छोपे
दानेपाचवजनावसपिसत्तापडलीजे तोला
मातमनधाहाषटांक न्निरवोफचलीजै

ड़ कि नामबनाईये घोटदंड सौ सीसी श्रद
रणधीये सखत नाम ञिनफ माया कौ त्रा
षिये दिये मैंस जनदोरताद ञिनमैं दूरे
दूरेका सषसुवा ससके नज्वरबकरै ॥ श्र
घविपाघचिकततसा सोरठा कंठतेमत
सोब बिरसबदनजिन्या श्रधर जानबा
जुररोघ बिषमबेगारू ज्ञनीदहन ११ दोहा
सौंठमरचश्वरूपीपरे श्रन्नयाकडू मिलाइ

तैतुममैं।हां दोरा तोल छे मासे उ ना बकूं पे
ल १५ पंद्रह सब सरबत अंदर डाल सरबत
पीजै पानै काल नबा परेगा बुरा रजूर जाइ पद्म
सरबत दीयो बनाइ १६ इति सरबत गाकजु
बान देद्रा बमन च्वमसूर छ्या खेद तन विषा
दाह प्रताप अती सार कंड नाबदन जानि
पित्त को ताप १७ चंदन सो गंज सीर सस पित्त
तया पड़ा आन मिसरी सरबत संगादी है ॥

पित्तज्वरहांत १८ कमलपुष्पको चूनक
रमिसरीसरीसरबतसंग टंकएकनूरटी
जायेकरैपित्तज्परसंग १९ चौपई सोलह
मासेमिसरीलालमासेआंवलेसरोचन
पाइ मासेचारजुपीपरहोइ बडीलाएचीमा
सेदोइ २० तजमासेएकनरपाइ औषदस
कलनकूटछनवाए टंकएकमधुघितसो
खाए स्वासकासमंदाग्निजाए २१ अरुबि

बइ पुनपासु रापीरा ३२ धरकत पित्त दूर बोए
करपदु आनन खबर अबरजाइ चूरन सित्ता
पनादिख ताइ २२ इति सितोपनादि चूर
न दोहा नीलोफर के अर्क को आध पाव
ले आवे तुखम ख्यारे टंक चार लेसा रानि
कसा वे २२ सो ले दोए सिकजी
बीज कंकनादो रा टंक सत्र कौं मेल पीवे दू
रे पित्त ज्वर आतक २४ अथ सिकंजबी को बि ॥

करष एक ता ला करष ८५ मर चेत्ना ३ै तीन
करष लेसौंठ चार पीपर पुनदीजै बसलोच
ना चार करष लेडार अकेला अरध अरध
ले करष द्वार चा णा पुन एला मिमरी ड गनी
डार कर चूरन हर है का सज्वर अती सार क
फ स्वास बमन पाडू पलीह हर छूधा करै ७०॥
इति ताली साद्दि चूरन दो० सौधा पीपर
आवरा चीता हर ड़ मिलाइ चूरन कफ

ज्वरकोदूरैदीपुनपाचनआदि २८ चौपई आ
रकस्यादिनरैकोल्याइ अरककासनीआ
नमिल्याइ औकेबादीयाकौफिरआन चार
वार तोलेप्रमान २९ सरबतनबफसाकह्यो
बखान दो तोलेइसकाप्रमामन दोतो
लेगुलकंदमिल्याइ पीवनआषदकफज्व
रजाइ ३० इतिफरज्वर अथसंनिपातआदि क
ल सोदूरा[illegible]कानेत्रकुटलेआरुविषा

बिबंधहर कीजीये दीपन अरु पाचन हृ
रत सोष तंदु बेस करे रु न रहे इापै क्वाथ
प्रात पीजीये २ इति संनपात कौ क्वाथ अ
डलन पुहकर मल धमासा सोंठ चिरायता
कड कचूर गलो पत्र पाठ सिंगापत्रा मेंड
गी अरु ककडासिंगी लीजीये पीछे कर
कै क्वाथ त्रिदोष भी जीये ३३ दोहा रवा
सकस तांदि अर लिपीरस पौरदाये राग ॥

हरिदै कायअनेक गादक सौसुनत्नमजो
गाउध दीपरसीवडखीना अबरकनौजी
पाई एहधरैमुरदनकरे संतपात
स्वरजाप ३५ इतिसंतपातकोधरा
चिकनाई पै छुद्दारहरदेसुगी अबरअ
रनारसनामंगायो मूलविजोएलेपक
रकरन मूलकीसोजनसावो ३६ इति
करनमूलनेप दोहा अकरकरा अरु

पीपरे केसर खवर नवंग ॥ आन करस
सोर है टंक नर गोली करो निसंक ॥ २७ ॥
स्वास कास नंग खवर संन पान मिट जाइ
नित प्रति गोली खाय जो कफ गदे तान
मार ॥ ५ ॥ इति संनिपात की गोली सत मलो
ची मार चवा च सो धी सीपर खार पीस
कनक के नीर सो ग्रा की ना स दि वाय
३ ॥ ८ ॥ अपस मार ३ ने माद पुन सं नपा

ककड़संगासौंठगलोएजुलीजीये
सोपाड़ दरड़ मिलोए करकाढाकीजीये
पीपरचूरन मिलोए करसहद् नसौंपा
जीये विषमज्वरकोनासहद विधकी
जीये ४२ इतिविषमजुरसांबासुवी
दंतीपुहकरमूल लेइगलोए चिराइता
पीपरपीपलामूल अजपाकरकवे
रले दोएकटाइ आन सबोपाडपटो

इज्वरारिसवज्वरहरे ६७ इतिज्वरारि छपे

पारद गंधक इगुरू त्रैसमले अजै पाल्नघोटन

कर डाल्नबराल्नपुन तीनडका यदं तासोदे

इफिर आद्रकरस अनुपान्न गुटीरत्ती

२ डासावै महांघोर तापपदइके मांद्दिन

सावै पथ्य-न्नातदेधरसकरा सीतलडा

ल्नरसकअंबर सीतल्नरहन्नामरतका

३ वरहैंसकल्नज्वर ६८ छपै पारद गंधक

मरचसुहागा तुल्य-न्नागधर मिसरी

सबैसमानदरखइद्रसकानुबरनकर
मह्वीपितेसंगदिनतीनखरावै आइकर
सअनुपानगुटीरतीइयपावै सीतलज
लकपरपावैनसकफज्वरस पितज्वरजा
गनसमचा जातदधपंथ्याकेररससेखरइ
मनामरसपुर्णइतिरससेखरनामरसचौ
पई धनामड़चीकाटाकर इनसोंलोक
नाथज्वरहरै पीपरसहतसंगचटवाइ

कफ ज्वर बिषम ज्वुर द्विन साइ ५०६ तिजु
रपर जौ कनाथर स आधरे चन श्रु आया
पीपर मूल कुह रोपा जु सुन औ किरवा
ला मेल केरा यहे क्वाथ पुन का पपीये
सुन पात ज्वर अरु बाए जुबर मल ज्वर
औ मल सूल सो छिन मैं जाए ज्वर ५१२ ति
बायु कफ मल जुर संनिपात रे चन आड
ल मो थापर पर कटु वांस अरिसयाआव

र अमल न तास कौं मेल पीए इह का प्रकार
मूरछा त्रिदोष ज्वर पित्त सुधा सौं छीजो
ऐ खिषमजुरदर अजीरण मोटकदा
जो ऐ ५२ ई नि पित्त ज्वरे का अथ उनानी
रेचन चौपई जैस नाइ पंच मिसकाल १
दानें बीस उनाब जु डील बिसफायज
लै गाउजुबान तुषम कासनी परिस्या
ब सान पर सौंफ पित्तपापडा आने अल

बुषारे लेइ सदाने यह सब औषध का
षबनाइ चौदह मिसकाल सीर षसत
कौ पाइ अमलतास पुन दस मिसकाल
छान के सब तामै घाल दोइ मासे मा
री कौ ल्याइ इह जो तिस ऊपर धूराइ ।
रोग सब दाम टंक नर डाल पीवरे कवा
पु ज्वर टाले ५५ इति बात ज्वर चौपई
इ मन लेइ मिसकाल सु तीस लेउ

नावपुनद्दानेबीस पाइबिनफसा
दोइ सिसकालनरानूराछजलनीत
रडालनपूरनकालपीजेजेलनछन सी
रषसनदामछुरधान नीनदुम कि
रवालनापाइ दोइघोलनफिरले छन९
वांइ प१६६कटंकरीगनवृदाम डा
लंकरीरे चनश्रमराम प्रनकाल१
रै चनपिनवाइ पिनञरकीपीराजाइ

५७ इति पित्तज्वर अथ कफज्वर ले
सनाइ पंच मिस काल चे मिस का
ल ज्ञरि स कजु डाल खिसफाइ जनु
बमका सनी परिस्या बसा सौ फजु
गुनी नुखमकरफस जुया मै पाइ
समइ इडु मिसकाल मं गाइ दे
नेती सम पिसना पाइ कोइ काथु
समले छ न खाइ प पे लै नु रंजवी

सकर ल्याइ अमलनतासपुनयामैं
पारा ९ हस नलेदस दसमिसकाखं
छानकैरहूहतीनौ घाल दे० पुन
मासे गपारी कूं ल्याइ रोगनवदामरं
कज्वर पाइ नीम गरमइहूकाथ्या
मिल्याइ कफज्वर पीवह्छिनमैंजा
इ ६१५ इतिकफज्वरदोहा गपारह
हिं नजाय तापरे चवनसकलपित्ता

ਸੀ ਸਾਰ ਉਪਾਵ ਦੋਹਰਾ ਬਾਰ ਬਾਰ ਕੈ
ਬੇਗ ੜਰ ਹਿ ਸੋ ਜਾਨ੍ਯੋ ਸਤ੍ਰ ਨਾਸਾਰ ।
ਤਾਰ ਰਿਚਕ ਤਿਸਾ ਕੀਜੀਐ ਲਛਨ ॥
ਦੀਸਨਿ ਹਾਰ ੬੫ ਦੋਹਰਾ ਸਾਮ ਸਤ੍ਰ ਨਾਸਾ
ਰ ਉਰਿ ਚਰਨ ਦੀਜੀਐ ਦ੍ਰਾਰੂ ਦਾਪ ਤਾਪਾ ।
ਚਰਨ ਦੈ ਹਰਨੀ ਜੀਐ ਦੋਹੁ ਜੁਵਦ ਪਰ
ਪਕ ਸੋ ਵਨ ਬਖੈ ਦੇਬਰ ਦੋਹਰਾ ਸਾਮ ਸਤ੍ਰ
ਨੀ ਸਾਰ ਨੌਨ ਮਤਿ ਬਧ ਕਰ ੬੭ ਦੋਹਰਾ

त्रिफला बिडंग ऊ पीपर याको क्वा
थ बनाइ ॥ हेरन श्री मत्र तीसारके
रे चन दीयो बनाइ ॥६८॥ नो ला ज्वर गु
लकंद पदि श्री केबादी या सेग ॥ यह
रे चन उत्तम कउ सौ करै सकल ग द्वं
ग द्वंल ॥ चौपई ॥ मोथ्या धनिया सौं ॥
ठ मैंगाइ ॥ वासा गिरी रार न बाइ ॥ पीव
त क्वाय केदै वटार ॥ बोइ श्री म कंके

कौ अतीसार ७० इति धान्यपंचकस्य ॥१॥
थपक्व अतीसार दोहा मोथा सुंठी इंद्र
जव धार फूल नैपाइ बिलुगिरी अरु
मोचरस लोधु चूरन करि खाइ १ छाछ
माह गुड घोल कै ता सौं चूरन षाइ
अतीसार बहु दिनां कौ सब ततकाल
मिट जाइ ७१ इति गंगाधर चूरन छौवै
रे सा बतमी आन नाहि सौ रानि कसा

नुसखा

कोई सब गोलु गौं लावकाढि ता माहि
मिलावौ चारनं ग को अरकता हि
के अंदर कीजै पुन्सो ग न बेदा म हि
२ मं दोइया मैदाजै बा लरं ग कौ धरि
के रह पीजै उब पान कौ औषध लि
व मौं लह आ मसरो रे घात कौ ०२ दोहा
सीर किर फे को अवर सरं ब त सं दल
सं ग पीव तर क त अती सार कौ क

रेसुछिनमैंनंगा ७४ अथरकतग्र॰
णीसार १ रसवतकुडापतीससोठ
कौंलीजीये धाइफुलकोडारससु
रनकोजीयै चौंवेरधोवनसहेत॰
संगऊनवपीजीये १ पितरकतग्रती
सारताहिहरदाजीये ७५ इतिपि
तग्रतीसारतपारकतग्रतीसा

रेर सांजनाद दोहा बिलनउ गुवली
स्वकी नै निकार मधु स्वरु मिस
री डगर पोख दरेर कत स्वतो सार ७६
स्वपर सहै हा ५ गुर पादर बिधर ९
स्वरम चै सुहागा ल्पाड ५ हूस
नेसम चरन करोर तोह क जोथा
६७८ चुत कुडै को करस नेर ६६

सा

कीजै अनुपान सहद तसंग जो चाटी
यै अती.र होइ हान १८ अतीसार आ
नंद भैरब रस चौपई: चूनैं मेल चूठि
कर तंगग. जो कना थ्य ना तै जल संग
नीद नास मरहणी अतीसार आमस
हे.तं बिछा गिरै सो मरहणी निरधा.१
रमंद अगन कौ रोग संहार २० इति
श्री अतीसार अथ मरहणी दोहा कीयो.१

कुपथ्यनरज्ञासनैद्दरन्याये अतीसार ।
आमसरदतछि छागिरसो सरदनासि
रधार ८ । छिपै मधु सौ चाटै रोज जे चूनडा
ली फल्ला हि जो दोपन पाचन कसौ
हरे सरदसा बिबाद को धनियां प
चक एचोर सरदसा कुफ पै करै
चूरन दे यर सांज ना दिपित सरद
सा को हरै तेज पात रलनासु तजे ।

ਪਲ ਨਾਰ ਤ੍ਰਿਕੁਟਾ ਤੀਨ ਪਲ ਦਾੜਮ ਦ
ਦੁ ਪਲ ਖਾਂਡ ਸੰਗ ਚੂਰਨ ਕਹਿ ਹੈ ਗ੍ਰਹਣੀ
ਪ੍ਰਬਲ ਲੇ ਥ ੮੨ ਕਬਿਤ ਪੀਪਰ ਮਰਚੈ
ਸੌਠ ਦੁਨਾਲ ਨੇ ਪੁਦਾਰਸ ਚੀਨੀ ਲਤਜ ਤ੍ਰੀ
ਨਗਰ ਜਾਤੀ ਪਤ੍ਰੀ ਮੰਗਾਇਯੈ ਦੁਕ ਏਕ
ਹਿਰ ਮਦ ਦਲਾਏ ਚੀਕੜੋ ਹਿਮ ਧੇਨਾ
ਤਰਲੌਂਗ ਸਕਲ ਨੇ ਕੁਟ ਕੇ ਛ ਨਾਈਯੈ
ਸਨ ਤੈ ਡੁਗਨ ਸਹਤ ਚੀਨੀ ਖਾਂਡ ਬੀ

सदरमकरकैंकिमामद्दारू संग·
लेरलाइये उबारसमिसकाले·
इ कैबिसवासंनिलपथाइबारत·
गखरकखंनूपानकैपिलाईये·
द तेदोहा मदहुधामह्रगापु
ब औरमंनवेसाजान यद्दमन·
न·उनमकदीकरेजूकंफको
हान दध इविजावारस ख्रथ

रैचनदेहा अजया मोदनदेदक
रसंगनहरणाकरनंग कैगुलनकेदु
रंजनी अ कैवादीया संगदप अपर
सहपै ऽगुरम चैपीपरसुहाणा वि
षगंधककर. कनककबीजसमसक
लनागरसमांदघरलकर गोली च
नकपूमानघरलकर कैकरलीजै॥
विजयारस अनूपानगुटीइकल

छैनकीजै कंनकसुंदरी थाइरसना
नेछी छेदधपप्पकरनी गोलीकन
कसुंदरीरसमगहूहलीहरनी ८६ त्र
थमवृसीछेपूमचंन्यागलेइकन्याग
उइसुवीलीजै चीना न्यागसुनीनवा
रसरनमेलीजै समगुड गोलीकृक
रेकरखन्नरन छेनकरिये सेंधाबी
जीबदालनेपकांजी सोंकरिये ॥ वि

दालनिकायमौंसो चरकमेवधु मछि
द्वालनिको यह चार जोग कार कैहरोग
जैंजालनिकौ ८१ चोइ मेरछिनावाम
गाइ ट् कटेककोडि आवसेरज
लमैं औटाइ आवदीजाये मोवीक
रडै चौथा ब्रसजलरहैलाजायेछि
कारिलिनदेधडारचौगुनेपचौइ
घनोकीजायेडार १० चौथो ब्रसो

पाइरुकसेरुद्वार मीडहाथसंगस्र
बेनंदकेरितेजाीये त्रमरकेचाह
डेदिष्टुग जवल्लमयंर स्वरंकरेकाम
दुबाइ श्ररसरोगछोजायै ॥८८॥ इति
श्रमतपस श्रवनेह चौपई तीनहं॥
केगुगलकोल्याइ तातेजलमेंघो
टकुनाइ श्रहौटकफिरसहतमगौ
वौगुगलताकेबीचिरलावौ ॥८९॥
तौजसहतकिमामबनाइ पतैश्री

लयदिखाइ मंदछु धावहर ॥६७॥ विडवानल
चूरंनदोहा आलेया अंबरलंव गले हु
नकोकाय सवार पीवजुसी धोधुरंके
रोग अजीरनुटारहि ॥६८॥ सोरठा तुदेजु
वारस आनटंक दोइ नरयाईये नातो
जल अनुपानदूरै त्रिजुरन त्रिसूचे
का ॥६९॥ कवित्त आवलै मंगाइ रात
रामहुध मैं भिजाइ छावमै सुकाइ है

करकमतनीजाये नोसौटंकजनन
मूदजोसेरदैतनीपनागनींचेजना
रघाटछानलीजीये सटतटंककेप्रसी
बाईसटांकछोडईलीजीये वाहाजन ९
लमैकिमामपाकोकरदेजाये मल
द
कीलंपीथावंगतगरमोयालीनतीन
टंककेछेगुल्याबफूलयामेंमिलीये ९
जाइफललजललवत्रोछडकिरफाइला

२ चीढे नो चूर्न मी टंक दो २ दो २ इते औ
षध मिलाजीये मासे दो २ मूग मद ले
पां चटांक केसर को बरन के गुलाब मा
द औषध मधु दीजीये नाम नोसदोरू
इ हर्दरत व्रपस मार मुषपुर गे धक्के धा
मं दपर दीजीये हीये रोग बीत व्याप कफ
रोग नष्ट हो विहरै टंक तीन प्रात नचरी नठ
वे कीजीये १००० इति नोसदारू अथ पारे च

दोहा सोना नर गुन कंद बाइ अरक
बादीया संग अन्न घा मोदक बाइ के करो
अजीरंरा नंग १०१ सो चार जौन हूरी नको
पीपर ता मे पाइ चूरन पीज जतपुन सौंरो
ग अजीरन जाइ १२ अथ रस कवित इक
इक नाग लीजै गंधक अरु पारद कौ दु
इ हुना गजाइ फल श्री सुहागा जान ती
न ना ग पीपर लैछै ना ग सौ व कडे मे लीये

द न की डै अरद तु दं पमा न की बृद्धि फिर गो
ली कीजै गोली इक अंछ न कौ रे रोग अजीर
ण जाइ टल न राम बान गुटका की गुन करे सेव
न सो सन रोग हरे १०४ राम बाण गुटका को अ
प बिसूचिका अंडले नंद रोग इं इ सब अंग रा
अ नया नो जाये बीच पनी सले सो चर कू
न की जाये । चरन पी जै मे लि उसन के नी
र सौं छोडे अजीरन पीर बिसूपी सूल सौं

१०५ सोरठा तेल त्रिलौका आन जातीफल ६६
संग सो कर पद मरद न वान होइ बिसूची
हान तब १०६ अडलेलो गमस्त को है ढेक
बाव चीनी अवरडय. ढुंढू टंक मगाइ अग
र चौदह टंक मर बारह टंके मिलाइ षांड गो
ली करै टंक दोइ नित षाइ बिसूची वात मि
टै १०७ अथ बिल्वं बिकादो हा मूत्र पूरी
बन होइ व मिसरेन खायु सु जो मन वदरसी

र अपारा अवर सो भि नंविका जान १०
८ चौपई सो फ भौर पदनानमाइ तौन्या
नौ न्रा नर तुल नवारा न घुइ नानेपं डुइ
दाने काथपाये विनंवका हाने १० २५ दो
हा सौ बौरनू नदरा तुकी पी परं या मै पाइ
चुरनपी जलनतपत सो तो बिनंवंका जाइ
१० स्व थ नैसमन कदो हा बातपिंतको अध
को अवर जुकफ घट जाइ बाइ बढत कैइ

दरो नसमकता द्विबताइ११ बेरगादककी
मिगा नेजलनसौक नकब नाइ बापीजननसें।
पानकरनसमकरो गनसाइ१२इ त्रिनसम
क क्ष थक्रिमटोद्दा जुरन्नमद्धिये गादनस
टक्षब मूल बिरैकव बान सुपनमध मुषत्र
लबद्दै क्षेनदो बक्रिमज्ञान१३ त्रिकुटा त्रि
फलां नी मबवकुट त्रि सौपूजुबेर गाइम
त्रेकेसंगपावदरेजुक्रिमकरबेर१ धनासा१

गीतरधपलुनु अजवा रन खुरासान कैकतरफ
लकी नासले मगाज़ की टकी द्दांन षपत्री
षपाडपीयरे मुषनषनैनखिटमूत्रसो
षवमिजोन स्वांसकास मंद्द्यत्र रनज्वर
पाडरे गपद्दचांन १६ तिफलाकेडूविराये नाबा
सानी मगलोइ पीयेक्का पेमधुड़ारकै पाड क्का
मत्ना मोइ १७ चोपई विफलाक्का पमत्नोक्षौ
राइ लोहखिटइमसुधकराइ रत्तीतीनयाद

किट मंगाइ त्रिफला चूरन टंक मिलाइ ॥१८॥ दोहा ६८

मधु घ्रित मिसरी संग यह चूरन नित प्रति खाइ पांडु

रोग अब कुष्टि नाकौ सी घ्रु कालन मिट जाइ ॥१९॥ छपै

पित्तपापडा त्रुष मकमूस जु दस दस द्रिर मैं नेत्रु

षमकास नी मेलौ तिन मैं रेवंद चीनी पांच द्रिर

मपुटरा वनखांवौ सेर दोइ जल माह सकल पप

ह ले अवटांवह रेवंद चीना पोटरी हाथ संग

मलै सेर हं रैहे सेर जर जलन जब बत्तब तार पुन

करत्नेऊ २० दूक सेर फिर थांडन्नक सिरका मि
लवा वऊ करिकन मे किमाम घोटि कै मी सैप
वऊ पा चदिर मदस दिर मदिर मपंडह लेत्री
को डग नौमे लि गुलाव पान यह बैद मिलाव
ऊ यह दवंद सिकंजवी पिानं रोग को थकरह
रे पांडु गद पित्त कों जिम सूरज तम कों हरे २१
इति रेवंद सिकंजवी सो धनत्र नया मोद
कदी जै पांडरो गछिन मैं हरि न्नोजै कै निपु

रकरस कुडूडं दूवचंदन मिलाये ये चार चारि
सेर अजाद्ध घोइ चावर कौ र कं सेर घृत मैं
सन औषध पचाइये सकजाइ रहे घृत सब
सेमजबकर वादे घृत यह जतन करि कै बनाई
ये २५ लोचन सबंनन रक नद्धार घृत लोचन मैं
दे कैन सवारन कसीरद्रकौ जाये गुदा लिंग जो
नरक तया ते हरि लोजाये सवेरो मकुपन तेल
न मैं घृत मस्वनकं रिंद वादि घृत के गुन देषदे

बराजीये २६ बासाकौरससयानजारोसद
नसमानहीं रक्तपित्तकोदूरिकरे प्रात
जबपीजीये २७ छपसीतबरककेइकहे
ड़ायामांहिछिकोवोपैसाज्वर हरतापसु
भत्तापैरबवाबोसातबूरकश्रमरकपुनता
के ऊपरदीजैतांगैरैररपितालतताकोंमुद्रा
कीजैअंकरायसौंहडकापूरब्र गनडुरप
हरदेसीगसीतहोइजाइजबवृद्धिहरतार

नीकारिले २ घाकु ब़ारससमाहव़छिइ
रतानघुटग वो चराक चराकप्र मारा गो
नीय़ा करिसुकनावो ये वाइ कनगाइ मग
उनाकौ निकसावो — डेरक डाहा मांह गो
नीय़ांता मैयावो नीवेस्र ग निउराइ उव
पेवासगारो उरजाइ उलतबधाइ गुटी इक
पांनसौ हरेर क्र पित्री प्रवनन साइर ए वो
पई बांसा थसको काप कराई नोकनाथ

मधुमिसरीपाई रकत्तपित्तसुरबैकफस्वासकोस ७१
रोगकोकरेविनास २६ इतिलोकनापारस अथ प
ईदोहा अथसपारसमैभसन ताज्वरहं एदेहीमांह
हापयपावजलत्तेरहैंराजजत्तबमकहि ता हि २१५
तिराजजत्तछमानलछन रसतेलेकरबानुसबसु
कजाइ ननमाह सकीबासीयांड ननबईरोग
कहि जाह २२ इतिछ ईलछने दोहा सतकल
बकबलनकेकी पेछानी जोफटजाइ रकतछर

दहिये मैं हजाक कौ तुरछुत नाइ २२ इति तुरछु
त निदानं अथ चिकित्सा कबित्त इकटंक
दारचीना टंक दोइ इलाइची वडी पीपर ले
चार आव वसरो चना मिलाइ सोरह टंक मि
सरी मिलाइ करि चूरन नाम सितोपलादि सह
त घृत सौं चटाइ हाथ पाउ दाह हरै [illegible] ई रोग
नास करै पार ससू मंद छुधा कास स्वास कौं न
साह रुच कौ करत है रक्त पित्त कर ४ कौ

सुपनजाइ जि द्वज्वरहारी चूरनदीयोबता ९२
इ३३ इति सितोपलादि चूरण दोहा मिस
रीपीपरसोंठ आसगंधजलवगा पैद्कर
नयन माह रेकरे कुई गद ३४ आंकफूलजु
लवगजुत चूरनकरिकषाइ. अथवातालीसा
दिबाइ इकमाहुईनसाइ ३५ लौंगसुधकरपहु
इलाइदारचीनीबससचंदनकं कौजनागसरत के
गरल्याइ कारी आगरकारोजीरोकमलैना

फर

जौंछुहुबासासौंबुंसरोचनाकनामिलाइस
मसमडारमिसरीआधीरिसभसेतीचूरन॥
लवंगादिकासस्वासकौनसाइ संग्रिहणीअ
तीसारमेहपछुमाअरुचिछुईपानसभरछु
तगुल्मरोगकौमिटाइ २६ इतिलवंगादि
चूरनचौपई माजूनसफाजौनाम्हाइनित
पतिनितप्रतदीजैनेमकराइ छुमारोगछुई
जैकरैगुरउरछुतनिसछुदूरै २७ इतिछुई

वमेपितकटुपित्तसोलेष्मन कासबनाइ

नीकरषन्नर ५०इ तिरा मैं जइ छमातर छन्तदे
द्रसुाकी षासीजाइ कीकफ कीकफ मुष
आइ धरै आम करै षत्नेपीपरे मरचेकरषम
गाइ पलेन्नर बीज अनार केडुइ पलन्नर गुड
पाइ ५२ औध करषजो षारने गोलीकर षर
प्रमान गुटीइ कमुषमैं धरै कास कीहान
५२ अथमर चादि गुटी मरचषि नीतकलों
गसमथैर नारावै आन बंबूलनका पसों गुटी
कदिलेकासकीहैन

करकर कासकी दांतन धध कमलनबीजषा   ७.५
र सहत सौं हरे पित्तकी कासक्काप्यकटोई
सहत सौं करै कास सन्ननास धपतुष मेले
अंजीरजद खजमोद आनधर वेषबादी८
यापरस्याबं साझा हींग नाखरसो जुफरासी
दुरदिरमज्जरयहल्सावो जु फाअवरमूलो
गेडुरदुरदिरमगावो सकलकरोजाकोह
हिजोडेदुनको कांप्यकर सरबतजूफादा

मड़ुइ मे लपीपेकफकासहरu८ अथसरबत
ऊफा चौपई दाने तीसनुताब़ मगाइ पवा
ससपिसताफेलै आइ अजीरसफेदकेदा
नेंबीस छिरस चारबिनफसादीसधर्यनुष
मघतमीकोलेमंगाइ नुषमघीयारेइनमैंपा
इ पाव पाचदिरमैंकदेजान परस्पावसां
दिरमेसातन५० ऊफाअबरमुलोवीन्याइ सा
तसातदिरमेमंगवाइ सोरहोइजलमें औटी

२ अरधरहेऊनलेछनवाइ ५।१ एकसेरषां ७५
डभिलवाइ ताकौनरम किमामबनाइ रद
सरवततऊफोकरपांनकफषासीहियलारी
हानपर इतिसरबततऊफाऊपै दोइ दोइल
रटकपोसबसबासमगावो आधसेरजल
मैपचाइलेअरधजलावों तीसटंकलषा
डलेकरियेजुकिमाम सूकोषासीकूंहेरे
सरवतबसबासजुनाम सरवततोलेदो

डूअर चौदह तौले जल घोले करि इह मिन
सरबत पीजो ये कास नछै नछै इहर पञ्च रति
सरब नबस बास बोहा मधु पीपर च्रस सहत
सौं लेक नाय रस चाट कास स्वास कफ
छोई गद बिषप त्तापकौं काट पथ सुपारि वि
की दोहा प्रा गवा तकपूर चलै मिलै तदान
सौं जाइ दोऊ मिल काटै सब दहि वकौ क्ष
सब ताइ पथ ज्ञात तौं मधु सौं चाटीये वा पीपर

मधुसंग लानोपीजेइधकै करहि चकीगदनं
गपय मरचांबि नुलवंग पुनमिसरीमधुसौ
चाट सीधोजीरै नासदेहि चकीगदकौका
रपद् अपरस्वास चौपई कुलथीबांसामौ
वकटाई इनकेकाढापनुलेइबनाई पु
हकरमूलधूरकरपीजे कासस्वासहरक
रदीजै ५७ दोहा बाइबिडंगमं गाइकरफ
टंकतेलसंग चाट बिनइकीसपरमानकौ

ससा सरोग्रहे काटे ५८ चौपई बाइ खिडं गम
गाइ सौ पंकटाई देवपाइ पुहकर म्लेछ मिला
इ अष्टक चार नारमि लाइ याकौ कीजै छा
पबनाइ अर घर देजलन लेछ नवाइ पर पिफि
रयप्र औषधता मैं पाइ जोह म अबव द्दे
नैबनाइ चिता चबक क चूरी लोइ सो
पा विकट धमाहारे इ मिसरी अवर का
कडा सिंगी राइ सेन अवर नडिंगी बीस॥

बीसयहपलसमझाइ कूटछानतामें
रलवाइ ६० अथअठपलछिनतेल यह
नीताकेभीतरमेल. नीचेवाकेअमल
राइमंद आंवअबलेहबनाइं ६१ सीत
लकीजेतलेनतार सहतआठपलतामें
डार बंसरोचनपुनपीपरलाइ चारचार
पलतामैंपाइ ६२ माटीबासनमैंधराइ
करबहकअरतुवषाइ यहअवलेहक

टाई जानस्वासकासहिचकीकरहानई कुं
निकुं डनारी अवलेह कासरोगपरलोकसौं
उनानकोकाथ स्वासकासहिचकीअवर
हरेउनिसकीहासाधारैम लोकनापर
सचाटीयेमधुपीपरकेसंग कासस्वास
अरुछर्ईगंदकरेसुहिनमैंसंगरर्दपरते
स्वास अनबोलन अनकोधतेअनवथा
टैतेजान षाबुधानहोइजासकोसोरहा

घातबखान ६६ तेजपात इलाचार चीनी व० ७।८
बकलो जेजीरा तालीस पिंपली ककौमगा
ईये त्रिकुटा अमलबेत चीता बस लोच
न कुट छान गोली सम गुड सो खवाईये पी
नस अरुचि कफ स्वर घातरोग हरे बवि
स्वाद गोली लैके मुख में रखाईये अपचा
रघात प्रदर बेर पात सीस घ्रित लुंजि
संग सेधो चहटाईये ६० रती चार मिस

री सरसम गमदूरती चार चूरन इह अठ
न करै पाचू घात दै टार ६९ चौपई ब्रासाध
स कौ का षे बनार लोकनाघ मधु मिसरी
पाइ प्रात काल तउ पी जे पान होइ सु रघा
न कौ दानद लैइ त्रि सुर घात त्रय प त्रय प चि
दो हा त्र नपान दोइ स्वाद न्नो बुरे हन गै ९
जो ज्ञा स त्र रू चिरो गय द ज्ञानि कै करो
चिकित सा ता स ७० चौपई मर च दा रची

काथ सीतजुर हरनिये ॥४५॥ इति सीतज्वर
काथ दोहा ॥ कट नीव सहदेइ सो हर ३ब
बब ॥॥॥ नीम गवाइ न्याइ चौगुनहु मजी
ठि नवाइ इनके कीजै न्यास बनाइ मुख
मैं रष अरु चनसाइ ॥७१॥ दोहा ॥ तेजपात इ
लासु तेजजैइ इकपल लेडार चै पलत्रिकु
टा अरु नारकेबीज लयै पलन चार ॥७२॥ दस
पलमिसरी मेलिकै चूरन करो सुजान ॥

दाडमादि चूरनक सौ करे अरुचकी
हरन ७३ मादू जवारसतु कौ अस्रकथ
नारासंग अरुचिरोग के हरन कौ ज्ञि
मन गराजकु रंग आधुसेर ले षांड
किमाम बनाइये पाव फिर नीबुरस
कौ पाइये दोइ तीन दै आसपास मैराष
धर सरबत लैमन पीये अरुचि नसह
छिहर ७५ इति सरबत लैमन चौपई रसा

अनार कौ लै निकसाइ सहत्त डार मुष ८०
मैं रष वाइ अरु चिरौग निह चै करद
रै सो धन अन्नपा मोटु कफ करै ७६ श्री
पारस ष धनिया घृत मैं रु जाकै मिस
री ना मैं पाइ लौंक नाष अनुपान इहि
दैत अरु चिं दि मिटाइ ७७ इति श्री रु
च अष्प छरदिक बिन इलाज वंगा
उ कै सर पिपल मौ फामी गा बेर की गु
ठी लै दि न मैं गाइ पेदी पर कौ डारकर
वें

परमाको डेढपावकन्धरखांड मिलाइ ८९
किमांसवनाको मृगमदकेसरशिम
सतकोछेछेरतोआमिधरजेतसो
घसिकरद्वारिये देइ तीमिदेजेम
फिर ७।पं देइ घदसरबवतभनमक
सौहरेरोगकफवाइ छरदजेइक
फबाइकोछिनमेंदेतमिटाइ ९०
आधसेररसबीहकोबाडपावकर

पांनकोजी स्रपथाकर स्रनयाकौ
कुपथिनडारपाजै स्रपथारमडांर १
श्राबरेकोसिनाडारपाजीये चंद १
नंकमलदपश्राबरे स्रनारसुरस
सिनाडारपाजीयेलोमछौदरोजी
येदि ५ तिमछौंसो चुरस्रमलवे
नंजीरातिलडीकफुनटेकवोदेइ
नरश्रौषधपदिनाईये मरचवे

ਪ੍ਰਕਾਰ ਦੀ ਤੈ ਦਾ ਰਤਨ ਸਾਹੁ ਧਨੀ ਪਾਂਦਾ ਥਿ
ਲਿਤਾਹੁ ਕੈ ਰਕੁਰਾ ਤਡੋਲ ਪਾਇ ਪ੍ਰਾਂਤ
ਛੋਂ: ਨ ਮਿਸਰੀ ਮਿਲਾਇ ਪੀਵਤ ਦਾਦ
ਨਸਾਇ ਪਿਪ ਅੜੋਲ ਖੀਸ ਟੰਕ ਸਿਰੇ
ਚੰਦਨ ਕੋ ਮੰਗਾਇਯੇ ਅੰਠਪ ਦੇਹ ਕੁ
ਗੁਲਾਬ ਮਾਹ ਲਿਤਵਾਈਯੇ ਦੇਇ ਸੇਰ
ਗੁਲਾਬ ਮਾਹ ਔਟਾਈਯੇ ਅੰਧ ਸੇਰ ਹੇਰ
ਬਤਲੇ ਭਨਾਰ ਛਨਾਈਯੇ ਔਡ ਸੇਰ ਲ

रडारकिमामसजुकोजीये सरबत
संदलनामसघातिउठपीजीये पित
रोगसूरदाहतृषागदजाईटरैंन
दिनकौंकुबरदेतमिवावेहैं बुद्धि
नर्थ१७ किरफिकेत्राकोंत्रानकेसी
रावेकनिकोर बेडु स्वनूपानजुको
जीये दाहविद्यापुनुसारर्थ१८इति
सरबतसंदल पित्तरोगपरजाकर१९

बिनउ नमादस्यो आप समार रोग दूरे
जौ पिउ पथ चार्यो सो जे तनन कराइ थे
१०० इति सिधारसादस्यो गनूर हक
बित कुटल्या सनाध सेधो श्रेउ मोदष्टा
रे दे दै नैपामार्वि कुटसंबाह ता पुन
लोगाये सन्त के समान बंधव कुटंबान
ष्ट रन करै चरन करदुनदूं श्यो बधी
कीनि निनि नपुंको जाये दूरे उनमा
दे

द करै सुधु को प्रकास अथ चूरन कौ
बाइ गु नैं दै षिदै षिरी जी ये १ दोहा बत
स मधु चै मीं पी सकै हींग धूप कर वा ग्न
द नु न्मादै षिना सकर थ्रै सो जतं न क
राइ २ अथ रस अंडल न पारद गंधक
मन सन बी ग धनू रा ना जै चूर न
करिकै सात पुटा बच की फिर दीजै १
सात पुटा ब्राह्मी रस की देह चूरन १

दोहू सेरजन माहि कापया कौकर
नीझै रहे सेरन्पर ख्वाइ छोनन बह्
फिर नीझै डार सेर नर खांड करो या
कौडु कि मांसक दैो तु सन षड्द सर
वेपा कौ नामैं करन जोग ख्वरु ख्वरस
पुनि पद सरवैन पीपठ करे ख्वपस्ना
र उन माद कौ सेवन सो निषम दरै
पदोहा सरवत उ सन ष दसकै हिरस

औषध जुबबान् अपसमार परदेव
ह्रीकरेजु ताकौ हान ६ इति अपस
मार अपस्मार रोग चिकित्सा चौ
पई लै हरदी मध ३ दमी सकाल बु
रासा नीजे बाइ नंद सडाल अकर
करा नाइ चौछड केसर सर जा औ
लौंग पुनपीपर पंच पंच मिसका
लसे गाइ कुट छान चूरनकरवाइ

मालकों गुनी हिंग लैजब नमलीजै
दारचीनी पुन श्रुकर करा इद श्रौ
षध न्यावबो पै सा पसा चरलै नाइ
कुटछुनबांधो मोचूदारको पीव
करता मैं चूरन पाईये बडे जे ह
लेनलेनमें पुन पद न्तात कराईये
गुरपरकरबेडये ही [illegible] नितप्रति
नरखावै बडे नित खाइ श्रौर दाना

बदन अंग अरधंग गन सा ॥ १० ॥ दोहा ॥
बाहद दबांतु लनमसक हुंर बदन अंग ९
अरधंग सेधी ह्रीं गमिलो इषाइव ९
हस्तहस्ता तकर अंग ११ अपकं पख्या
नकोरमक्षप गधकै लेन अवस्तु
नौरसस्तुधमं गाबो दो नोक्षोकर
कंजनीकोमलबदैवावो सनस
मश्रनपाडारसा तैरतोपुनबावो

प

लछन गुरतापीरातौद्दरह अरखा
जुगुन पयआनपैपितसितांकप
वांमडल अरबैवैरमसोपूसको
वेतन सोजाततन अवरगुद्दर ड्ढब
बआनाए आतरकतेकेरतेल
थछनजानीए॥१२॥ इति आतरक
तलछन कहिते बासागजोरअ
मनतासमेलफाएकीजीएडोड

दोइ तीन सप्यान दोय २२ बेफुनक
हो २३ इति सूलन लछन तू मे कीज
इ बीस करि चिकूनाता मैं पाइ ती
न तेल न सूपाहिदे सब रोग मिटहा ल
इ २४ हरड़ लोंग कौं काथ कर लि
धौ ता पर धूर पाये अजीरन कौं छि
न मैं कर है दूर २५ सोरठा तीजे सि
रसक लाइ आन मताबर आवरे सि

ਇਕ ਫਰੋਗੁ ਟੰਕ ਦੋਇ ਨਾਕੈ ਤੁਲ ਸੰਗਾ
ਜੋ ਪੀਵਾਈਐ ੨੭ ਇਤਿ ਕਮਲਨੀ ਪੂਰੀ
ਨਾਗੁ ਲਾਵ ਕਾਸਨੀ ਲ੍ਯਾਇ ਕਾਸਨੀ
ਕੀ ਜੜ ਛਿਲਨ ਪਾਇ ਤੁਖ ੧੦ ਟੰਕ ਤੁਬ
ਤੌਨ ਕਰਾਇ ਪੋਸਤ ਬੈਖ ਕਾਸਨਾ ਲੀ
ਤੈ ਗਾਜੁਬਾਨੁ ਤੁਖਮ ਕਸੂਲ ਗੋਲ
ਕੁਸਸ ਮਿਲੀਤੈ ੨੮ ਇਹ ਸਬ ਟੰਕ
ਟੰਕ ਅਰ ਲ੍ਯਾਇ ਜੌਨ ਪਾਵ ਸਲ ਮੈ ਸ੍ਰੀ

सरवृतदीनारकी करनवृता अपरे चन
अडलन अमलनतासअरु त्रिफलानीकै
काथकर पीवृतसहतमधु पाइ पितको
सूलहर पीपरसोचर अजपापाजैत
लतपतसों हरेपीरजिमफू वौ दुमन
सपतसैां पीपर सोंवनसोपजअनया
लीजीये सोचरलैनमिलाइचूरनको
जीये नानैजलसोंपाये पंचसमसूल
हरे

अरस अप्रकारा आमवात के कफ हर करै २

२ इति पंचमसम्रुअ पारस सोरवा पारद

के हिंगंध कज्जली अरु कपरद का वार सों

ग मरच अरु पीपर सिंधोना मैं डार रु २ र

पारें नन के रस घर लकर गोली रती दो इ

क दैनो सूल गजकेसरी हरै सूलन को यो इ

३७ इति सूल गजकेसरी इति सूलनं अ

पपदरनाम लछन दोहा॥ अन पचन मैं

सूल होइ कर बदमल मूत सूल कदौ
परनाम यहि मानो कृम कै होइत ३५ चौ
पई तिल गुड सूंठ तुलेइ मै गाइ दुधमा
हि लै खा पवनाइ सात दिनात कका
पपिलाइ देत सूल परणामन साइ इ
इ इति परनाम सूल बात कं नाई म
व पुरा बड कार पुन श्रीं संखी का छूटें
द स्वास स्वरु बीरज सुन मधा तिबा

अस्र नीद उतैरोक पुन इन कौक सवंद हैं
इआस भद्राश्वरतलछन कहंतास ३१
उपाव दोहरा सो वरलौन हरी नकोंपी
परता मैं पाइ पीस पावक जन तं तपन सौं
भद्राश्वरत गाद जाइ ३८ सर सौ गोरा मैं
नफलन कुवब चपाप जन्याइ मुंड सैं
व्याप्ती गुरां मैं भद्राश्वरत गाद जाइ ३९
इरमिलन छुवद जं गा हर हु का निनाओ

रखि नीतन कले आवरे सात सात्र मित
काल सकल पाहि कूट छोनं चूरन
कराबरे अफनी मूखि सफाइ डाली
है त्रिबीभ सतब ३ सामिलावो तीन
तीन आध आध पाव मिस कालै
चूरन करावो १ ल्ले धोयां लाजदरद
गधारा कू दोइ दोइ ३ धिरमबसू त्र छ
नवावो सछलै ३ गनासहद्वकि मा

मकरन्दोमदडार मजूनवनावो नाम
मजूनन जाइब्बमानीमाइ चार मिसह
मेस नातोजल अनूपानवाइ कफन
दावरतकौ मिटै ओदेस ४० इति मजू
नजिजोइव स्रपरसकुंपा पारदगं
धकसुंव सुरुगामरचसमांन औकै
पोल्नइन मल्लके तुन्धा मांगाइ सुजाग
चरनकरकै बाडूंसंकतल मिलदोमन
मगरनीरव्रय नरपावै सीतलजलकाअनुपान

सारै २ इछा नेदी नाम रस सरोग अपकारा
मय एकरे ७ दूराचर नपै करै २ मज्जिम गु
ग पल गज कौं हरै ४२ इछा नेदी र स्रुति
उदावरत अपथ गुलम लछन लछप रि
है नाग के बीचि गांठ बरनी निरधार
२ सपिर कै चंचल गुलम सो पाच प्र
कार अन जीरन के समै गुलम बाइ कौ
कोप अनपचन मैं पित गुलम निज कै

दसुरोगै चोजनकीयेनैंकफगुलमसर
बसमैंत्रिदोषबलर कंतगुलमकैसो
र सबीनकैगरभ्रबिरहनत्रुतबेदबरभ
रत्तिगुलमलछन श्रधगुलमअधाव
चौपई श्राकफुलसेरत्वरत्नाइ सेरह
कसतमैंश्रोटाइतबतकनीचैश्राव
कराइ उबततकलैहरू पर्हंइजाइधर
नीपरमूलनपापरेत्नाइ कुटैछानतामें

सोपकौविफलाकाटेसंग कैगुडखु
नयाहाघरसपितगलमकरंन गध
पिश्रनयादंतीनीलानीविबीकंबी
लेलाइ यहसन्नेश्रोछदकलकफि
रइलमोघापचाइ ५० दधश्रवरवि
डलैंनसोयहसनुनुगतकराइ द
रैखेडकफगलमकौ यहसोधनक
रवाइ ५१ श्वपारसश्रडल पारदगं

धकस्यन्नयांपीपरतुन्यधरश्रमन्नतां
सरस. पोहैंउध सौघरन्नकेर गेन्नी
मासाइकपान्नतुठमाइनरइमन्नेरष्ठ
श्रुनपांनसकन्नकोगुन्न महरपरस्थि
रोगनिदानन्नष्ठन पपमैंरसकोगुष
केरिदेषहाधेमैंजाइहायमैंपारको
करैंहिदेरागकहंताह परंकैघिनंसं
कैदधसौंकैगुडजजसौमाइ कक्र

आबकीछानसूंरिदैरोगमिटजाइ
पपपुहकरमूलजुसहहतसूंअरक
रचैटवाइरिदैरोगअरुस्वासपुनका
सरोगमिटजाइ५पबैदमसककौ
अरकनैपैसैपांचपुमांनसरबतबे
नफसाघोलपीरिदैरोगपुनहांनप
देअडलजअरकपारदगंधकइन
कीतुंमकरिकऋद्धकोइकबी
स

ਸਪੁਨਘਾਸਧਰ ਮਾਸਾ ਨਰਜੁਬਸਦੰ
ਨਸੰਗਸੁਚਾਟੀਯੇ ਮਾਥਰਿਦੈਕੈਰੋਗ
ਸੁਛਿਨਮੈਂਕਾਟੀਯੇ ੫੭ ਇਤਿਰਿਦੈਰੋਗ
ਸ੍ਰਪਮੂਤ੍ਰਕਿਛੇਦਨਛੇਦਨ ਤੰਨਕਤਨ
ਕਪੀਰਸਦੈਤੈਂਗਛਿਡਕੇਰਾਹਮੂਤ੍ਰ
ਬਾਰਬਾਰਹੋਇਮੂਤ੍ਰਹੂਛੇਕਟੈਤਾਹਿ
੫੮ ਹੇਰੜਗੋਖਰੂਖ੍ਰਬਰਜਾਬਾਸੋਲਾਨੀ
ਜੀਯੇ ਮੇਲ ਮੇਦਪਾਖਾਨਭੇਕਾਥਕਰਦੀ

रोग संघार ६५ जो लाल्लर गुल्लक्रं दे के
श्रहूकबादीया संग कै श्र[illegible] त्रया मोद
कहै सो मूत्र बिछ्छ कर त्रं ग ६४ चौपदे
डालै पात फूल मूल जड फल सवा सेर
गोखरू तुल पांच सेर जल मैं ओटाइ स
वा सेर राखै से घर मार बाड आधा सेर
बंडालनर मलैह राखै लै कु सवारै सौर
मर चपीपार जोबार गजकै सर जातीफ

उधार उघुड़ना धारे के बीजै पलप
उचारवाहे श्री पध नीजै बैसरो चवना
श्रावट का नर इहंस न कुट छोम चूर
नकर हिध इहस नयाक मोहर ना धाइ
पाक पात्र चिकने मैं पाइ टका इक ना।
रनित तबधाइ सूत्र क्रिछु भ्रस मेरी उना
इदप सूत्र दाह मेह मैकरै सूत्र रोधकौ
छिनमैं हरै हरकर उपड़ेपा मधना मेह गो

क

त्रोध दोहा प्यारे प्यारे औरसौं निकसे मू
त्रकु जान सुपथचढ़ा दौर रहे बंद रहा मूत्र रोध
सौं जान ॥७०॥ त्रिफला के नैंबू नाइ क पीवनु
घण कौ डार मूत्रघात कौ रोग कौ नुरन क
रै संघार ॥७१॥ चोपई स्वरस कटाई कौ
कंठ बाढ़ नंदन जल सौ घोल पिनाइ मू
त्रघात कौ रोग नसाइ मूत्र छिद्र नाना
लिपाइ ॥७२॥ त्रीडलन मगजनुषमकेडुक

इतकौ ष्का पबनाइ कर प्रातकाल नावि
न्याइ मूत्रक्रिछ्र ताप परी रोग सरक
राजाइ ८२ मनसलका सटवल्ला सत्ले
आवर करे ता न्याइ ऊगाउंब पुनसेलु
कै पुट दे नेसमकराइ ८३ ग्रजा मूत्रसों
टंक लेर गोली करकै खाइ महीग्रस
मरी रोग जो सात दिना मैं जाइ तुषमा
करफ तुषम तमीडाल ग्रस छोड एक

१ कंमिसकालन आधेमेरजनमैं औट
र२है आधपावनै छिनबाइ २५ गैंदआ
धमिसकालधराइ आडेपाइ मीठीका
६ हजरज हंदनीम मिसकालधूरपावै
सपरी टालन २६ दोहा आइनरो गजप
परी कैरैजु ऐतैपाग तबबंगनरकीची
रकेकाहदपं परारोग २७ १ लिपपारी
सपपरमहजनछिनदोहा मतबारन

के से दकर खी सपू मेह ब मान न्नि त्रलि

न्त्रा बेन द्दी न प जूर नै मानु ॥८८॥ त्रिफ

ला दार हर दे कौ न्माइ लू मे कौ ड ड मेथा

पाइ क्षा प्य पी व हरद्दीर लुधूर करे स क

लपू मेह ज्ञ हर र्पेकि बित पीपर खर

सों ठ किर वासा स रा मु न र ले श्रा व

कै पत्रा मन मू लटी पुन ज्ञानी ये ले

व ध नी ब र ता करं उ वा औ म द वा लीजे

ਉਨ ਦੋਹਾ ਕੁ ਚਨਿ ਸੰਬਗੁੰਦਤਦਰਸਮੋ
ਟੇਬਦੇਂਦੇਸਨਾਂਇਕਾਰਜੇਸੁਸਕਨਡੁਰਗੰ
ਧਨਨਮੇਦਰੋਗਕੇਦੈਨਾਦਪਿ੧ਉਪਚਰ
ਖਾਸਪਤ੍ਰਕੋਂਰਸਪੋਦੈਸੰਘਨਸਮਸੋਸੇ
ਤ ਕੈਸਨਬਾਦਖਿਨਾਰਸੋਮਿਟਨਦਕੋ
ਸੋਸਪਿ੮ਦੋਰਹਰਦਸਰਸੋਂਹਰਡਕ੍ਰਠ
ਮਜੀਠਕਚਰ ਸ੍ਰਾਮਛੋਲਨਿਲਮੋਧਿ੮
ਕੇਰਬਦਨੌਦਰ ਗੰਧਹਰ੨ਰਪਿਚੌਪਈ ਤ੍ਰਿਕ

ਛੋਨ ਦੇ ਜਾਨ ੮ ਇਤਿ ਪ੍ਰਕਰਨ ਪਲਾਟ ਹਲ
ਛੋਨ ਚੌਪਈ ਸੌਚ ਪਾਪਰ ਛਾਛ ਮਿ
ਲਾਇ ਬਾਨੈ ਦਰੀ ਕੌ ਪ੍ਰਦਖਣਾ ਇ ਮਿਸ
ਰੀ ਸਰਵਨ ਮਰ ਚੌਂ ਮਾਰ ਪਿਤੌ ਦਰਾ ਪੀਵ
ਸਿਧਾਰ ਤਪੇ ਸੀ ਧੌ ਜਾਰਾ ਬਿਕ੍ਰਮ ਟਾਜ ਵਾ
ਨੀ ਕੇਫ ਭ੍ਰਦਰੀ ਕੋ ਪ੍ਰਦਖਣਾ ਸੀ
ਧੌ ਤ੍ਰਿਕੁੰਟ ਛਾਛ ਪ੍ਰਸਾਰ ਬਾਇ ਜਮਾਰ
ਤ੍ਰਿਦੋਸ ਸੰਘਾਰ ੧੦ ਸਰਪ੍ਰਬਾਜਡ ਛਾ॥

छु सों मिलाइ ॥ छांछ संग पद्दलीसंत
नाइ ॥ ११ ॥ दोहा ॥ इटसटसोव्ह रोगनको
देवद्दार ॥ उग्रालोइक्का पय्सु गुगलस
नै सो पाये भ्रद्दरगाद ॥ चौ० ॥ १२ ॥ अनया
थ्र कूजो मारलै ॥ हिं उसमान लोगती
न जुल सो पलै ॥ चरन करि ये छुनै
२ ता तै जलन सो पीजो ये जलन काटै सं
ग सूलन भ्रकारा उदरगाद सूलन सरोग

करन्जं ग१ध पीपर पोहकर १ध सोन्ती
जैपरलेकराइ एके एकजेतनपतसै
मी पेउदर मिटजाइ १४ ह्रुप घीकुवारस
सपांच सेर गुड तीन सेरले आाइ कर
सत्रे तीन सेर ताको जीतनरदेइ त्रि
कुटा त्रिफला तीन तान पल जेर पदे
तीजै पलनरवाइ बिडंग ासक लव
ती पामै दीजै एक मद्दीना तकसकं

नदावनमैंराखीयो खाइउदरसनं
नासकरपैसालरेनितचाखीये १६
छपउखेखारसोंचरखारीकंखेनो
नलीजै सेधौसाजी आवरसुह
गाचूरनकीजै आकदधपनसेद
उदधकाढलेआवै तीनतीनदिन
लेकरइ नीमैंघोटकरावै आकपात
उपरतेलेहडीयामेचूरनधरहडीया

कौंकपडोकरगाजपुट स्रागनदेत
नमकरेसोंवमीरचस्त्रदपीपरलस
हिंगमगावै विफलनाइंचवबिडं
गमनहींकुटवावै सनमारनकेत
न्यसकेलचरनमिलवाव सोप्रगु
नमयक्रनस्रहचिमदागानिकौ
करीपनीहेउदरगदनेसमदरेबड
मारवक्षाकदो१७ स्रपसोप मुड

आदे के सोंठ गुड़. कै गुड़ अजवाया
खाइ सो रहै मास मैं आदू होवै पलल. नौ ख
ड जाइ १८ पैडहै दिन कै तिस दिन नं क
पद औषद खाइ सो पसे गापु न्म उद
रगदे खुरहू चे रोग मिट जाइ १९ दो द्वा
पीपर चीता सो ठपुन मोथ्या ज्ञारा ल्वा
इ पाव कटाई गज कन्नाहद रद्दा छुड
कटवाइ २० बेरन ताते नारे सोंघा ल

पीये नर जोइ पावै मन श्रीपद सो ख
दरन कों कोय २१ सरसैं सुठ सुहज
लोंइ द मिट घोर सुर दार न्याइ कोजी
सैतौ लेपु कर सो पषि बि प्यादेन साइ २२
षडा हथ सो पीस बिल्न मा घन बीच
मिल्याइ सो पषि लिन्यावै को हरे ले पन
करै बनाइ २२ श्री पारस पारद गंधक
मार पुन पीपर त्रिवी मैं गार देवै दार

मीर चै हरद त्रिफला घर न कराइ गा
इ मिस्र सौ पान प्रदु सौ उदर नर सघा
इ उदर रोग तुरंत सौ जकौ छिन मैं देत
न साइ २४ इति सौ पघा तीरस श्रेष
श्रेड औषध निर्दामन छिन आइ लज्ञ
इ इं केट की संध तै बाइ पाद तिहोइ
श्रेड श्रेड वैध तिम सं रोग कुं जानौ
बाइ पा: कंदई २५ पौ रा जु चंहौ बात

मान काजी सेती लेपकर अंड सोय
कर होंनु। नील मल अरु कमल लप
सज्जा औरो चंदन न्याइ हि बिसणा लेपक
रहै थ सो दाहु सो पथ लउ जोंरा इरे० अप
पित अंड सोय को लेप सर सों अरु
सुहागा नापी स लेपकर बाइ अंड सो
थक फल बाइ की छिन से देन नसाइ ॥३॥
जाहि दोष है सो पहु इं सोधन वेद्या क

से धो के रसि. नाइ पावकां. नसछु न्रक
रेगा. वो. जल. न म्रनु पान ब्रंड बिध दार
न महा करे उ छिन मैं दान ३ इलिखु
बिध ऊसु कटिको संधजो बिसगा कहे
पताह गाउसदतमीरानहां बिधरोग
के हे वाह ३० ऋअया कलंक बनाइक
रडेतेन नुनाइ हरहु पापरे संधे संगम
र बिध रोगा मिट जाइ ३८ गेह कुं दरपा।

सध्युतोहोइ गटैबेरकोकोडंसस गंडमा
लकहूसोइ ४२ ७८. सनबीजअरुस
लीबीजसुदाजनेबीजे सरसोअरसी
कुटछानसभ चरनकीजै अमलतास
के संगपीसकरलेपकरावो. गंडमाल
लगंडहरलपकोरोगानसोवोदेवदारु
बचरासनासेंधोपारखिडंगपुलकटे
नुबीरसलेलपव गंडमालगंडहरनधर

करषपरमानआाधकरषसोधषकौंस्रा
वेपजवैकाचनारकीछालपत्रवैस्रा
छौंमुदंलेड्डार गोमूतसौंसबकौंघुट
वाइ मासेतीनप्रातउठषाइ गंडमाल
केंडनरसआइ गंडमालनामलगंडनसा
ईव ८ इति गंडमालकेदुनसमदोलात्रि
फलाकरषुजतीनिनरत्रिकुटकरष
छेल्याइ कचिनारकीछालकौहोद

सकरषमं गाइधर्ा सन्तसम मंतुगाल्न
ड्डरकै मधुस्नगुटो बंधाइ गड्डमाल्न
प्रेत गड्ड हरहर प्रापचौवा दहघाइ ॥५०८
लि गंड्ड माल्न गल्न गड्ड प्राप चौवा नौका
र दोहा सोऊ होइ जो पाद मैं सौलौपद
कुहीये सोइ करनन्हिं गड्डि गनाकैको
सोष्यकहै ऊनकोइ ॥५१२ सर सौहुट
सिटहीऊ नौन गडस्वरु रंड पीस

धतूरा लै प्रकार करदैं सत्नी पद खंडे पर
चौपई करथ इक पी पर कोन्पाइ दोइ
करथ बीता पेन खाइ चौर करख पी स
र कौं लै इ ख्य नेपाली सताह मैदैं इ पर
पलै ड्ढ भर गुड्ड पा मैं पाइ सहत संग
गोली खु बनाइ गोली एक प्रात तखा
इ सत्नी पद गद दूर हिन सा ए पड़इ इ वि
सत्नी पद ख पाबि ढ्धलछ्न सुसूमान

ਤਸੰ ਰੋਗਨੰ ਗੰਦ੍ਰਜਾਤ ੧੦ ਨਸਕ੍ਰਗ੍ਰਾਵ

ਰ ਲੈ ਮ੍ਰਸਲੀ ਚੂਨੈ ਕਰੀ ਧੋ ਛਾਨੁ ਕਾਂਜੋ

ਸੈ ਨੀ ਪੀਡਜੀ ਧੈ ਧੁ ਦ੍ਰਿ ਨਾ ਕੈ ਗ੍ਰਨੁ ਪੀਨ

੧੧ ੯ ਤਿਰਸੰਨ ਗੰਦ੍ਰਰ ਐ ਗੰਧਾ ਕੈ ਰ

ਸ ਗ੍ਰਾਨਿ ਪੈ ਕੈ ਤ੍ਰਿਫਲਾ ਰਸ ਮਿ ਲਾ ਰ

ਲਿੰਗਾ ਧੋਇ ਨਿ ਦ੍ਰਰ ਸਨੁ ਸੌਂਟ ੩ ਪਦੰਸ

ਤੇਰਾ ੧੨ ਪਧਮ ਨੀਨ ਦਿਨ ਛ੍ਰਿਨ ਪਿ

ਨਵਾਰ ਫਿਰ ਕਾਟ ਨੋਸ਼ਾਬੰਜ ਮੰਗਾ ੯

ਰਾਜੰਗ਼ਾਮਡੁਲਮੈਂਜਿਸਬਾਰ੍ਫੂਲਛਾਨ
ਧੀਟਾਕੀਤਾ॥੭੩॥ ਬ੍ਰਧਰਸਸੋਮਲਦ
ਲਾਇਕੇਸੇਰਘੋੜੇਗਾਠਵਾਇ ਪਾਂਚੁਸੇਰ
ਗੋਇਧੂਮੈਂਢੋਂਲਾਦ਼ਛ਼ਪਵਾ॥੭੪॥ਸੋਮ
ਲੇਲੀਜੈਟੰਕਸੇਰਯਾ਼ਬਿਧਸੁਧਕਰਾਇ
ਤੇਵ਼ਾਛੀਰਸ੍ਪਲਛੈਰਲੈਦੂਈ ਦੋਏਟਕਮਿ
ਲਾਇ॥੭੫॥ ਨਾਗਬੇਲਰਸਘਰ਼ਲਕਰਗੋਲੀ
ਮਰਚਪ੍ਰਮਾਨਹ੍ਵੈਛਟੀਤੁਪਦੇਸਕੋਗਾਹ

नसुंगाकलेमुखपाकेपरधर॥७३॥ अपरेच
न ॥ लेइसनाइ रंरडजंड पाकोका पथना
र॥ पुपमे सोधनदेइपहफिर७पचारक
रा॥७४॥ इतिनिरूपटंस ॥ अथ कुसट कुसट
प्रावारा ॥ आनकोमुनखनकरोवखान ॥ सं
पम्रसैलानकैकल्यानताहिनिवानि॥१
॥ दोहरा ॥ दंताविफला विधीकोसोधनपू
पमकराइ ॥ काथकरपीजाये कुष्टरोग

सबै तन सुख पाइ ७६ सोरठा नीम गिलो ।
पपड़ो तें त्रिफला बासा पैर पुन चिरायत
ते मोथो तें पाये कुठ गद कौ हरे ७७ दोहा
एला कुठ बिडंग पुन मरच बपर हटी ल्याइ
दंती रस बत सौफ पदह ले पुन कुठ न साइ
७८ चौपई दोइ सैर नीबू लेइ मंगाइ लि
न कूं तीजै रस नक साइ रस चिकने बास
न मैं पाइ ता की विध अब देइ बताइ ७९

पीरापीरा गाठेद्वार सोकपरद्द कानामैंडा
र द्दिनचाली सहा जिरमवाइ उवलनगड़ा
पैरला नुकसाइ पांचद्द मकितुनेनमिला
ई २० नोद्धरसकपरद्द कानेलु तीनोघाट
दंनसोंमेलु देहामरद्द नकोडे मास. खेत
कुछ कोकरे बिनास ३।१ खोरदफ गवाडे को
हेडे-न्यार नाकोनीजैंसनक सार रुपारहे
हेपसा नरपरवान तिनप्रत एनोकोडेमानः

पिथ अमरतेना सकेपानलेकाजीसंलि
पकर.रखाए पिअरोग अरुदाद.पुनकडु
कुसनसाए पिथ नीवट पान अरुखव
चौदरद ओवरे न्याए टकदोए गौमंबस
मोपोवलबाज मिटाए पिथ सरव अरु
सिधीरले घोठ ज्ञेमे पिन संग यददपुन
लेपनेकीजाये बाजरोगकरसंग केदली
दलकीनसमें करनामें दलदीडारजल

सोंलै पत्र कौडी पै मिटै पिंजर जंजालन ॥९॥
ट नीबूरस संलै पाये गंधक चंदनल्या
ए दिवस सात नु अंतर बिना पिंजर रोग
मिटजाए ॥१०॥ पानपान ५ सनान मेले
पन मरदन माह जो जनन करन जालन पैर
कौ मैलन कुस मिटजाए १०० अपरसद
रतालन लैझंबीरा रंगसू धोएडालन हर
ताल दस मों अस मुहागा ले ताके जीत

क

सरावके संपुटमैंरषवाइ ५ संपटकपरो
टीकरैगजपुट आंचपचार स्वांगसीत
भऊ डुगंधसौ गोलाकर सुकवाए दोइसे
रप.नासको रजा हांडीमैं पाइ आंछो चूनाचा
रपलनातुपरडुलवाए ६ तापर गोलाराष
फिर चूना.नसमपलांस पाइ उमुद्रा दिढ
करैरहनधमस अवकास ७ चूलीपरधरद
डकानी चैअगनजलाए तादपहरबतीस

तकनोउतन म्रोंघ्रदनाइ स्वांगसीनहैइना
इउत्रतनाको लेइ निकनाइ कुंदपुसपंग्रस्ह
दसमधमरहतदरनाइ लेरनीइकंजअद्दा
जोये गुडपुरानग्रनुपान घेगाकरोटका
लबंगाबिगसाचीपपबंघागा १० दिनइ
कोसतकघार पहकेहलजा एतग्राइ एह
बिधकरीयेड्रनतनसोरहयेबाइबचाइ॥
खेतकु ९ तेग्रादि लेसकेलकु ९ करघा

२ हरड़ तोले दो कूट बसानी ये सरबत
बरद जु कर तोले चार अर लै तुरंजबी
न दस मन तौ मैं घोले कर २ धरी गन ले
वैद्या सकौ टंक मेल पिलवाइ अमल
पित शूर पित गद पितज्वर मिट जाइ
२५ अथ सरबत बरद की क्रिया चौपई
तोले फूल गुलाब मंगाइ आध सेर जल
र वजन कराए नव सेर जल मैं औ

टाए रहे तु चतुर पत्रं स छनाए सेर
कत्तर बाडि मिलाए सरबत को माम
बनाए सरबतं बर मुकरं जु नांम पित
पित जुर औ सु नराम २७ इति सरबंत
बरद मुकरर चौपई फुले गुलाब ब
नफसा कहो खबर का सनोईन मैं
सहो दाइ दोइ टंक मदद आन दोनेंबी
मसे पिस ता जान औ लेब छारे दोने मे

तअन्नसादाछसमानतेमिसंरी
दोइसमानकूटकटगोनीकूरोइक
करछपरमान गोनीइकेउबाइ येअ
मतेपितउनसाइआमवाइ म२छोते
र मान्नममदागनजाइ २१ अमन्नदाछपी
रासहतननकननकपरवान फोवेबुले
सनदेहमैं सोबिसरपगदजांन२२ सोया
नीमैं थोईछितताकौनेपकराई मरद

पतुरघात ३५ दोहा ग्रांतुरबसारेकोरव
रसरसरबनघोलेतनाव पांनकाजेतुव
पीजीयेरोगबिसरपनसाव ३६ दोहा
थ्रननजलेसबदेहमेहोइ फोटेपुटजा
इ सोबिसफोटबखानियेलेपदसाग
कराइ ३७ बासानीमचिराइनापल
बलछैरगलोइ परपट पदहकोसपाव
उमरबिसफोटनहोइ ३८ इतिबिसर

पबिसंफोटस्रुपसीतलावैतबिलनको
कापंकरसोवैतननपरहार कैपावैतनबस
नखाकंटेन एहनिरधार२ ॥ऽ॥ ५ बलीतिल
नीरहरहदा२ ॥ हौ पु प्रमेपोये सुंदररहस
रीर केटेनत्रन मे सीतला ॥४० ॥ इति सी
तला स्रष्ट मुंदरहस कोमलपदमनि
पत्रेन सीमरीपादोह ॥ ५ बारमिटे मुंद रहस
४ इति श्री सुरसनवोधिनधीरजरामकितै

मरातेल कूटछांनचूरनकरवाइसे
नसमेदंतनमलनदाइ मुखनीचाकरना
लखदाइफिरकछूदंदछिदमैपाइ ना
गखेलनउपरसोंघाइ औरदंतकेमांहर
षाइ दंतजोडकैकिरीयेसौनदंतपी
डसौखावैचैनरु त्रपुदंतहलनगाकौ
सोपात्रजयाबाइबिडंगनिंबपातखि
कुटाकरसंग गाइमूतमेसकैलपि

ਤੀਜੈਂ ਕਾਟ ਸਹਸ੍ਰ ਮੇਲਨ ਯਾ ਕਾ ਧ੍ਯੈਂ ਸਭ ਮਾ
ਹਰ ਬਾਂਟ ਕੁਰਲੀ ਯਾਹੀ ਕੀ ਕਰੈ ਬਦਨ ਪਾਕ
ਮਿਟ ਜਾਇ ੬ ਫੁਲ ਗੁਲਨਾਰ ਅਨਾਰ ਕੇ ਤੀਤ
ਲੈ ਇਸ ਮਾਕ ਚੂਰਨ ਕਰ ਮੁਖ ਧਰਿ ਯੇ ਬਦਨ
ਪਾਕ ਮਿਟ ਜਾਇ ੭ ਅਨ੍ਯਾ ਕੈ ਬਿਨ ਫਸਮਾ ।
ਕੈ ਸਿਮਾਕ ਲੈ ਕੈ ਗੁਲਨਾਰ ਬਸੀਲਾ ਏਕ
ਪਾਤੁ ਕਰ ਕੁਰਲੀ ਕਰੇ ਬਦਨ ਪਾਕ ਮਿਟ ਜਾ
ਇ ੮ ਅਥ ਜਿਹਾ ਪਕੋ ਜਤਨ ਯਾ ਕੋ ।। ੴ

बैंसम सुंदर स्वर होइ जाइ १६ तौजै अन्न पा
कापकरत तामैं सहत मिलाइ प्रातका लैंतौ
ब पीजीयैं कंठ रोग मिट जाइ १७ दोहा लैइसि
माकजरी स मेवा बिसेख कें पान किंसस का
लुरस अनार का थकं वकु रनी कें रके वपीर
दै टार १७ अरल आछे आछे लून स्याद
म गाइयै पाच सेर रस ताहि का ट ओदाइ
यै अरधरहे जब आइ ताहि छौन वाइयै बा

बैसम सुंदर स्वर होइ जाइ १६ लौंजै अन्त्रया
का पकरता मै सहत मिलाइ प्रातकाल उ
ठ पीजीयै कंठ रोग मिटि जाइ १७ दोहा नेइसि
मा कजरी सम बाबिसै सब कंपन किसै सकि
हु रस अनार का पकं व क रती कै रकै व पीर
दे टारि १७ अरल आछे आछे तूत स्याह
मगाइयै पाच सेर रस ताह का ठ औटाई
यै आध सेर रहै जब रह आइ ताहि छानि बाइयै बा

डझ्नो गले चार कि मामब नाईये। सरबत
तूतब पानीये करे कं गगद हूंने। सिरा मेलि
सिमा कको नीम गर मकर पांन १ ८ रति
सरबत तूत १८ अपसरबंत अंजबार चो
पई छै मिसका लअंजबार जो कोबकरा
वै तीन पाव जलका पअरधं अब सेष
छै नावै डारती सिमसका लंबडकराये
उकि मोम दरैत हकोरोग सरबत अंज

वारजुनामस१ ॥ऐंदोहा गोट्ठ सत्ताकूं दह१९
कांखैरलैफूलअनारसरसकरै सर
वतमेतंलपिलाइरकतकासकोताहै
२० इतिमुखरोग अथकानरोगकोउ
पचार अद्रकरसकैनीमरसकैनीमर
सकैसुहागनरसल्याइ मधुसंधोयल
तैलजुतकानरुजजाए२१ अन्यादोहा
नीमपातरसकाढीयैकै सुहागनरस

मिलाए तेलसिंधकानमैंडारैरोगमिट
मिटजाए ॥२२॥ बुकनीडारैकानमैंसमुद्र
फेनकेल्याए कांनपीरनौनारहैकठो
सासुपलपाइ ॥२३॥ अथ कानमा मूलीसूकोहिं
गफुनपीपरसाउनील्याए सुकमेलइन
सकलतेसिरकाचौगुनपाए इनसौतेल
लपकाइकैकानमाहडारैबार कान
पीरबाधरताकानसरावमिटजाइ ॥२४॥

अन्या बीजपूररस काढ के सजोया में पा
इ करन स्रव पून याहत्तु मिटै कान स्रव
जाइ २५ दोहा जाहि दोष की अधकता वढ़ै
दोषन कसाइ त्रिकुटा चुनजुत कानन मे
हि पाइ किरम मिटै जाइ २६ अपामारग
कौ तेल पचाइ कान में राधकट न मिटै जा
इ हुलनहुलन के बीज सुहाजनाइन के रस
न कसाइ त्रिकुट चुनजुत कांन मैं छिपा

रगुड अरु मरच मिलाइ पीयै जु पैा पान स
हरै अरु कफ रोग नसाइ ३१ अन्या. लैइ
कलौंजी अरु सनरु मैं मलमल नाक सै घाइ
पीनस गाद निद्र चे हरै अरु पून स्याजा ए ३२
त्रिकुटा अरु मालीस कव लौंजी जीरा अज्रा
नौ अरु मल बेर चीता सज्जे टंकटंक जर अ
नौ दार चीनी पुन तेजपात एला ए चीत्मा
वै मासा मासा मासा जरय ग्रह श्रौषदे कटछना

है त्रिकुटादिक चूरन कहे तो गुड पुरातन क
मे लीये गुटी बाइ सो बनते स मे कपक पीर
न सो कोरे लीये ३३ वै मा सेवही दांनाहे र
छोटी लाइ ची मासे दोइ दार चानी मासा न
र पाइ मासे चार मलठी ल्याइ दे तो ले मीस
री मिलवाइ इनका लीजै झा पबनाइ जो जु
का मसरदी ते ल्याइ तो सरबत जू फा मिल
वाइ जो जुका मगर मी ते लठपर तो मे जोस

रखत नीलो फर तोले दोइ सरबत मिल
वांई पीयेतु कांम रोग मिट जाए २४ चूरा
गेली जब दोइ केछू लहोज नासामाह न
बकफ सोधन कोजोये रेचन दे कर ताहह ५
श्रपरे चन एलवा टंक एक तर ल्याए मा
सान्न रंङ ड़ाए रगपाइ दार चीनी तज केसर
ल्याइ नगर बबूलन सा छडपाइ मदमूदा
मस्तकी जोंन अफसतीन सो पत्रे लस्यान

यंद्दसवन्नेनौबवकुटछैनाए आधाआधामा
सापाइरात्तपीसज्जलरमवाइ दिनकौलीजै
मुटीवनाइ देइविरेचनजेल्लकौसोधरे
हएद्दसरवनगंधकौसोधौ२६ नाकराहजे
लेपीजीयेनाकलेइघ्रितसंग नाकपाकेके
रोगकौमिटदैतुरत्तपसंग।३७ घ्रित्तसौमिल
वेआवरेकाजीसौंपिसवाइ भापलेपनकौ
जीयै नाकसौरमिटजाइ३८ पीयेनासमै

धूमअजवाइनषुरासानको जिमजाइछिपि
धनसूमेके तिमनिकसकेरममगुजको ३८
इतिदंतनसकारोग ॥ अथनैनरोग ॥ रसवूतदारह
रदमगाइसेंधागेरूजावैनापाइजलसौंउपर
लेपकराए नैननरोगदेसकलमिटाइ ४० नी
मपातले आईये घितसौंमूजबनाइ बाधक
नकुनैननेननपरननपीरमिटजाइ ४१ चौपई
नोधनूछिघृतमाद्द मगाइ कूटछानपुट

नीं बन नबाइ दरद का पै मैलेइ त्रिजन्याइ नैन
पीर फिर दै मिटवाइ ४२ जीरा का हार सबतनि
फला आनाये नौ धफट करी हरदं आकी मब
बानी पीस पोंट नी बार बार धर नैनपार सुदि
षु दिष कै जाइ नैन की पार हर ४१ हैर लेइ मि
नी दल मासे ड ९ चरी आध आध मासा रसब
नफट करी रती एक फीमनौं गड ९ पांन धर
पुटरा कर रकफेर नैन की पार हर ४४ पीपर

त्रफलातोलाधत्तावसीधोधरे अंगरेरसमैं
घोटगोलीकरें घसअंजनगोलीकरेचक्षु
केरोगहरं तिमरकाबकडअरुफोलानास
करे ७५ अथपडवालनकों मरचाबोहू लोग
मगाइ इनकोलेइ उंतमैंपिसवाइ कचतुपा
एकरलेपकराए देनरोगपरवा लनसाइ
मोती मू गापारदसंषजेसनसगासी छेहोटं
कडवदंनत्राकसोंनाइ कोही चैत्रमासेपाइ

पिंघुलावै इबहुपीजबद्धे ए नैनपमांरत्तमिल
वावै । पारद्दजबमितजाए । नैनमक्कुपरटरवा
वै सुरमासुधकराए । नैनपसीसेकैंपावै । दोह
मासेतुकपूरलेसकलनपीसचूरनकरो सकल
नैनकैरोगहरेति मरोगदारनहर ५१ सुनमा
चौपई मोताश्वनबेधइकमिसकालनम गावै
तोलडेढ मिसकालनतुडालनममीराश्वाछारनुमा
वै बूरहर मनीलेइदोइ मिसकालनतुघालै ८

सुंरमा के सरनौं ग आ धमिस काल उडाल
म ग मद मासाइ केञ र स कल पीस अंजन क
रे हरेड़ि गन के रोग सब त्रिमर रोग संसा द्रे
त्रिफला चूरन कीजीये मधु घी रत संग चाटी
ये त्रिफला नीर सो धोइ त्रिदि ग त्रिमर नैन गद
कीटी ये त्रिफला काठ गोड़ धघी अमीला इये
त्रिफला काथ कर सकल उठ्या मयाइये त्रिध
सौघी अप चाइ उजरयन कीजीये त्रिमर रोग इ

गरोगसकलहरदाजाये ॥ ५३ ॥ इतित्रिफलाघी
रतदोहा ॥ बांसासोठचिरायताद्दारहरदजुग
लोइ रातौ चंदनइंद्रजव चिरायताकडूजुहेरइ ॥ त्रि
फलाकुडापटोललेमोथाग्रसजोआंन ॥ इन
कोकाथपिलाइये ॥ नैनरोगगदहां ॥ ५४ ॥ दो
हा ॥ नैनरोगपरयूपमहा सोधनकोंकरवाइ
पाहैऔषददीजीयेया विधवहगदजाय ॥ ५५ ॥
इतिनैनरोग ॥ अपसीरपीराको दोहा ॥ भ्रम

नसीतलहउ वाइकी दाहपितसिरपीर उंड
तासिरकफसिरविषपाइ मगातसचउपबी
२५६ चौपई कुठ औरदंरंडजडलन्यावै का
जीसैतीपीसलगावै कैमुचकंदफुलनगा
वै औरनबाइसीरपीरनसावै ५७ अन्या
रैगाननेचैदामकौ मरदनछुबकराइ बा ब
रैगातेजोजाई सिरोबातमिटजाइ ५८ अन्या
आवटकअपानी मलनाइ अरधरदेजलले
इउतराइ डौलाजसरविधानबनाइ आधसे

रजनमै औहाइ मनपुटरा कोनेइ छुनाइ
सतरेटंकथाइ मिलनवाइ ताकोनेंइ किमा
मबनाइ सरबनयहु अफतामूयहरमाइ
सरबनूनाजे तोलेदाइ छपैसेत्ररपामी
होइ घोलिया हिकौपुनपिल्याए बापी
ठासिरकौ मिटजाइ ५९ ६ जिसरबेत आफ
तामू बाएरोगमनसचवेहोए तेबसोधन
करताकोमाइ ६० आपरेचन उसनयातै
सआफतामूल्याए जिसपाइ जैपुनयामैत

कैोनक्ष चंदनक मलपुनजाग्यौबां सातसी
रहधु.सगलैपवनकरोरकतपीन ।सिरपीराजा
५ ६२ अनमा सातजलमैंधाइ ।छिन.मरदन
सीसकराइ नई।पितलेसिरछिपा।निम्रदेत
नसाइ चौपई चंदनआधोटके मंगाइ ध
नीयासवरसमाहि।घुटवाई तासौलीजैबस
त्रभिजाई सीसधरौ।सिरपीराजाइ ६४ अप
सरवरनारजी अससोटंकषडकौनपाइ ।२

ताकोलैजकिमामलनाय रसनारंगाकैोनि
कुसाइ बीसटंकफिरताम्रैंपाइ जौसजुद
ईवैताहिंदिवाइ सरवतरागबौसासैपाइ यं
हसरवतनारजबैताइ. त्रिबापीत्तसिरनमा
२ ६५ इतिसरबतनारजी दोहा आधपा
वजलघोलीयौसरवततोलेचार याबि
धसौजलपीजो ये हरहैब्याधअपार ६६
अथनिंबुकइफबाकपितसिरबरत अ

पुहन्नाम फूल गुलाब दर मेमे घोंडु लगाइ
गुलाब के फूल खिनक सारे सद्दं तीन पा
व जल मैं औटाइ और धर दे जल मैं छुनवा
इ दस दर मे गुलकंद मिलाइ पंद्रह दरम
तुरंजबी घोल सो गरम बै दं मस टंक मेर नोश
पान कीये कफ मार तह दै रजाले पित्त कोद
रे करै ७२६ तिमनतपूव अफ तीम मिरबर
तकफी अप अत्री दफ जल कसनी जहर ३.

काबली अजवयान्याइ बहेडा और आंव
रेपाइ धनिया आंछा नेकु बहु जाइ पांच
पांचदर मेसन नाइ इगामी सहदत मजनख
नाइ टांक दोइ चार लि नत उठखाइ नातेअ
ल उपर पाउबार इरे आमकफकी सिरपा
र उरध आंग गंदे कौ नरहाइ आम अजीर
नरो गतसाइ अत्रीफल केसनी जाजान
करे उकंदर पीरा की हांन ७५ इति अत्रीफ

जंकसनीज्ञ श्रा मसिस्वरबत कौं आपरक
त सिरबरसतकौ लछन मगाज्ञयो है पो परेगला
ही बातक हतसिर बौं लैताहि तो लैं आनर
नितपततउवाए नो सदा रहपुर मगाज्ञकरा२
७५ रु मा बलनछें दु देसटं कबाड मगाई टे
श्ररु पौन पावतूलडार नीबरस२कटंक
नेर लैताहि मैं निरधार मेलौ करप गूलाव
जेतरसघोलनकरी पान सरबतदरेपदहे

धरमादसिरपीरकरदह्वानकहीपितसिरपी
रपरलेपश्रीबदीजोमरुधरकोपसिरपीरपे
लेपनकरओतोन ७६ श्रीपवोबविसिरब
रतकौ कुंठमरचेकाएकतरुरङकीजंडडा
त श्रीकतकरापुनमेलकैपीतपतजतसैं
घालपुनमरचश्रीजयापीपरेरहलेपकाजी
संग विदोबकौसिरपीरजोकरएकछिन
मैंलगा ७७ श्रीपखरधसिरपीरकौदोह

कुठजागैमो देवदारु बर खपीपरै पिसवाइ
इहलैपकरकाजीसहत सिरपीर अधरन
साइ १८ अन्या घृतसंगसिंधोपीसकै उ
वपूतनीजैनास एहअंरअंध सिरपीराह
रै नाष्योजोगूषपूकास १९ अपटटरा
रागकौबडीकटाईको हरसनासौ गुंजा
पीस रहअनुपतपतरहेपाइ रोगटटरोबा
स सैहैतदंतनसमकरबीचैस्योतमिलाइ

अजाद्दधसूं लेकर रोग टटरी जाइ ८० अथ
पथ्वा तरक्त सिर जोर कौ घितसौं केसरू जा
कै छांडु मेल दे नास वा तरक्त सिर सप द गद
हनके रोग बिनासै ८१ अथ पबात रक्त सिर कौ
कौं इत्रिपुट पुटरी नास अथ षबडु बिदत्न
छेद एरंड मूल नगरास नासौ फिसुं रुवने गरा
नावै सो धवै न्मैं गविडंग मनोवी डोडी ए
हे सबे कनक बनावै अजाद्दधने गरासस्

तैन तिलौ के माह पकावै पलनत पंतनिकाच
हेरै सो सगंद तेल बिंद छैं नास दिवावै ८२
इति बंड तेल अथ केस बंधन कौ फलत्रि
नौ के गौ घ रुद्दे तूंले समान मधु घित सौ मि
र लेप करहु होइ केस लंबान ८३ त्रिफला छा
ल अ नार कौ लोह चून मिस स्यान पंच प
च पल लीजाय चूरन करो सुजान भां ग
रा कौ रस सेर छै ता के भीतर पाइ लोह पात्र

मैंडारसंग्र ग्रू मैंदेयददवाइ मासएककेबा
दू फिरकाढदे ताहि सुजांन अजाइ घसे
लेपसिरबांधइरडकेपांनराग सकनाहे
पनरहै पूतकरोसनानपढ़ै बिधदिन
तीनमैंकचकालनपहोइ सुजांन ८४ इति
श्रीसारस्वतहिंडधीरजेरामकितनामेप
चौध्याइघपं· अथपुदररोगगानंछनजो
नहारलोहं चलेपदरकदतहै ताद अंग

मंरदन्नंगावेदनातनकैसताप्नदादइति
ज्ञछन अथ पतेपचार चौलाईरसकोटं
कैरसवत्तसदत्तमिलाइ बाफरघोरंभि
लाएकुंरपाय पूटदरमिटजाइ १ अथ न्या रस
वृत औरचिराइ तादारहदरदपुनन्या इ
भो घा गिलावा छिलक पषाणसीषा कापष
नाए सीतलकरकै कापकौपोवसदत्त
कौडार पूटदरदरेपारासदत्त स्वेतपातअ

स्नानं २ अन्या चंदन बासा आनीये ग
ऊके सरत बबीर तंदन जल सौं नेपन्ह गढ़
रै पृदर को बीर अन्या बाती कबल सा
रफेन इला चो आइ फल निरधार नीजै॥
बिड ग सरीर को पुन नाग के सरडार जल सं
ग बा ती टकु दोइ कर जोन मैं रख बाइ सन जो
न दो बन कौ हरे गुड न ध आन बिंजाइ धन्य
न्या कबित्त त्रिफला मंजाव नब बीर आवो

रत्नपदु गोघित सौंपांचै त्रिया तिस गरजनरद
जाए अपं गरजननाम कारनकौ. गेरू अप्रु
ता नाम करद नर आंनीयै सो तन उ तन सो
पीसताकौ तेद तायारकर पीयै नारजौ कौ
पै चौपै दिन न्हाइ कारम गरजन ताकौ होइ
जब तन गयद नाराजी चै १० अपक ४ अप्र
चीकौ छालन एरंडकी नाइ पीसतै पकरजौ
नमें पीरभुदरकीजाइ. होइ पूतततन कोतन

नंर सोंठ मा ४ मिरच आठ टंका भर. सेर दोइ गो
इ धस कुन ओटी जेद करय पाप मे खोवा मे ले
बंकुर. ओषद मि नाव. आठ बाइ न बी
ता चव बकजरा मे पकनो जी या वे. ठ का ठ की
चूर सक नय हिचि सु गध त्रिकुटा चटका चूर
नौं गज्ञाप[illegible]फ ले केसर जा न व. चो गुन डारै
कुटछान कर कर ब चूर यद सब निरधारै
तीन टका भर सार बंस लोचन इक पल भर

ता।

ताउमारद्यद्दडार सकलनताकीनरकीचकर
श्रामनबाते मद्दे गनुद्दरे द्दरेप्रसूताखापु पुन
प्रसूता पोनसूनकौ बैकरखनंबतीद्द रनारपु
न२४ इतिप्रसूतवाप ऊपरसुंद्दा ग सुठी श्रप
संकेचको स्वेतद्युघ ची सेरच्चार ताकी द्दालक
रइ तेलत्तिनौका सेर५ ऐ ता मैं ताद्दि लिजाइ
लिजै तेलमैं सातदिन राजे मिलनद्दं कर संग
पोतालनजं चकरलीजीये काठोतेलसुरंग

रु एरतीकुचमरद्दकरकुचस्थिजनतांमगु
ंरती नर नंगमैद्दैर सकोचसदनंग१५ अ
न्या दोहा पुटरी करकै नंगकौ चोलिमांह
रखवाइ अपवारा बोमो चोरस नंग सको
चहै एजा१६ इ तिको च अपकुबकट
वको आरतबदनते आद वेसोरद्दै दिन
पपीत तेजनजोबन तेनासलेकु चेकबोता
अमेत १७ अपरेमसातनहंकदोरद्दर

द करो नात जब इधपी त अरु अंनसात
लेबना लकमाइ. अरु ताही मात ताभात
श्री बद्री करसतान घाबिधन छुटे इधपा
न १९ चौपई जाहै ताहूर दीजे पियु गउक
लकक रोइन श्री बदसेगा इनमौ तेलप
चाइ लगाए बालनाभ याका मिहजा
इ २० सिंधो घृत मधु देरड मिजाइ पी
से आवरे जो जलगाइ लरत नचपे सिस

ते धन पींये तब्बे बद्द पीये पद्द तन कीये २१
चौपई होइ कटोई फन नन केर सते बीनक
साइ पीछे कोलने उत चाहि है तो बानेख
र मिट जाइ ककड़ सीगी पीपरै सो घृत
ती मसूधार लिसु चाटे मधु सो हद्द रे
खुर खासी खली सार ३३ ककड़ संगी पी
पैर पुहकर मूल पती से मधु सौ चाटे बा
ल जब से कल नकाद होइ बीस २४ चौप

ई बैस जो सुना मधु मैं पाइ बालक कम
स सक्ता समेट जाइ कडु सदते से बालक
चाटै हि चकी खबर छुटे रदेगा दु काटै । सो
धौपी पेरमर चाल्याइ मीसरी मिलि सक्
लिपि सवाए सदते संगाजब बालक वा
टो सू वरैध की पीरा काटो २ पूछे व प्रथम
औषद जो कहा बडे नरस्न के रोगन उप
र वहां औषद बालन को लघु माना दे रस

गुड़करपीसबीजु पुनसरपकंजअंगदंतनी
बपातसुकहाइ फलु घ्रितमेल धूमकरखा
इबालनगेहूंजर चूतपैत पुनदैतापैसा चव
साइ २८ इतिबालरोग अथ बिसबिकिक
तसा घ्रित मधु मासन त्रिकुटपुन सीधौ
जौन मिलाइ पीव सरपको बिषदूरै बौध
ठदी पावलाइ १९ वी चडी छद जौजी
यैडै पालताको मीमाजेदूं निकार कैनी

रत्नइरडार ३३ इति कांनखरजूरां बिष दो
हा कापकरे उननै खेतकौ पान श्रवरउडु
न्याइ सीतलनेक करकै पीवत हो कंकर बि
ष मिट जाइ ३४ इति कंकर बिष राउके
सरद्दरद्दी जुगमेलेइ मजीव पतेरा लेपन
करजे लेसीत सौंमकरी बिषकर चांग ३५
इतमकरी बिष बोपदै उतयानाजीजै है
बोलतमार उरा बिधतबोलै बिचार ॥

सकालइककज्रमधुसौंबार १ बिषषांइकबन
नस्पा२ उबत्रसबिषबारेनहीहोइ तब
नीकोनोछोदिनसो१२८ इतिबिषदोहा
नीजाषोषामरचोटंकरासकलसमानं
च्यारुदोइबिषमेलेकर चूरनकरैसुजान
घोटा रसबिदालनसौं गोलीटंकप्रमानषा
इसकलबिषकौंहरे पुरुषसुत्रयसुन्तुपान
३ए इतिबिषबजपानरस इतिश्रीसी

सारसुतं दिजधीरऊराम क्रितेतं पेचिकित
सांर [illegible] नामप्रष्टमोध्याय ६ अथ बाजीक
रण दोहा जैसथावरं मूसनी को चबीजमि
लवाइ तालमषाण्या गोषरू ओर गंगेरणपा
इ चूरनकरकै सैनके पीवै तेथसौ जोइ नर
चूरनपुनावृते पुष्ट बीरज बलन होइ १ अथ ना
कंद बिदारी न्याइ मांसी अरु बजबीनवी
जपुन तेथ मधुछितसुषाइ नारीरमैं

सरै षाक अंडज सोरह टंक प्रमान सोष
कै धरै चार सेर गो के धड़ा रषो वा करै पांच
सेर घृत माहि पकाइ कर लीजीये· ऐसे औषद
और ताहि मैं दीजीये सोषमर चपी पर अ
जै मोदा बैरहै लौंग सार जाए फल औरक
पूर दे समद सौषदो एजो रै हर दो आवे ए
ला अ कर करा जु बहे रा न्मावे रै अंमेर क
अक्रं: ह फेन जावत री सही· केसर पुनि

सुगंधकरमदो पंदोड़ पद्धी सो पाके सम
औषद सकलचमिलाई पे औषद बोचादे
नूं कूनालघाई ये सवते औधी खिजी पाव
उमिलाई ये सतेके समले खांड पाकव
नाई ये औषद औरक सार मेल कत्त लीके
वृषस मोखन आगन ताहु को चेरबरे मद
न सद न करै रहै उता के देह मैं पुडाग्र
गनजीत मैं पुन नेह मैं एकर दन सम देह

बीरजा बंधे जपुन घार गोंखरू पाक पुष्ट गु
न बैदि सुनं हूं इति गोखरू पाक अथ असगंध
पाक आध सेर असगंध मंगाइ तिथ चून
र करन माहि पचावै इन कौं जब सो आधो रहि जा
इ आध सेर घृत माहि पचाइ त्रिकुटा त्रिम
ध पुहकर मूल जीरा अजमोद कै चूर पी
पर मूल जडी इन सोन हउ बेर सब ता पर आ
न और गोखरू सोफ मंगाइ ताम्बा सो सा

सार मिलाइ पलपल भर सन औषद ना
ष पाव सेर लै तिन अरु मास डेढ मै सै
बांडु मे गाडु ताको गाढा पाक बनाइ औ
षद और कसार मिलाइ गोली कर बनै द
षषवाइ तुलम अरस अरस अरु स्वास
८. कासं हीगद और प्रमेह बिनास उदा
वृष अरसै गुदपीरा सोज हरै उगाद वाकरे
मनोज टूट हाड का बंध का रोग मिट

संनपातकका रोग दूटे को मक्का मनि स्त्र
नुराग प्राचें. आसगंधकौपाकं ७ ड्रेति आ
सगंधघाकं आप कोचंबीजपाकं आ
धसेरलेकोचबीज चूरन करप्रावे. देध
सेरदसमाह्ताह्सोवा बनप्रावे. आधसे
रघि दोमाह्न्हेजेहाकोधरखावे देजीरा
अड़मोद कलौंजी पिरन्यावं डोंतोफ
लेजेवृत्री अकलकरा उतुजवगसुनगऊ

केसरकंकोलनले त्रिकुटा त्रिजतजलनदस
मेदसोकु एहदपसा नरलीजै सेरघाडपाक
ताकौकरहुजै एहद्द पाककौछबीजप
लनरनितपावै मेदषीरातना मूत्र क्रिछ
त्रसमरीनसावै रकतपीतअरूवावग
दगुलमसूलनदहरछधाकर हरैपूसता
वावकरेकासपंटतहदर ट दोहा पाककौ
चकैबीजकौकहौत्रस्वानीकुवार षार

खडे़ ६ गजोतन्नाका मनंदरपासिंघार ॥६२
त्तिकौचपाक अथ सुपारीपाक पावसेर
सुपारी ल्यावे कूटकपडछान करखावे दू
ध अढाई सेर मिलाइ मंद आंच पकावा कर
वावै गोघित टका चार डारै डार ॥ जै तातिह
मैंके रोकसार खांड अढाई सेर मगाए सेर
आंवरे का रस पाइ सेर सतावर रस मिलाया
२ ताकौ करीये किमा मबनाइ जबकिमा

मगाठाहोइजाइ इँकसार नामाहिमिला
इ मोथा चंदनजीरा दोइ त्रिकुटा औ त्रि
सुगंधसुहोइ मिगौबेरकीधनी पालेधी
र बंसलोचनजौगजाइफलडार औरा।
सिंगारेजेमिलवाइ टकोटक भर सक
लपसाइ इसलपाकमाहिमिलवाइ वा
कीलैकतरीबनवाइ खाइ पुगपाकपुनात
घरेस्राजीरनज्वरकौघात सकलनदेतपर

मैंद्दनसार॥ असतनपिनपितगादंजार॥ औं
वैनाकमठ्यानासाहार॥ जोद्दनिकसतदे
वैवार मदागनद्दरपुष्टबदार॥ विपकौनिद्द
वैगरन्नरमाए बुठैगबाएसुदोए जुबान
सुंदरअगअनगासमान॥ कैरेबीरजबल
धातबदार॥ पुगपाकबिनकसैनजार॥
तु ५ इतिसुपारीपाक॥ अथमूसलीपाक
पावसेरलैमूसली चूरनकूटबनाइ॥ औ

टा औरत्रिसुगंधफुन तेंदु त्रदपंन परमा
न सकलन औषद औषद मेजकारनीजेपा
क सुधार बाद मूसलीपाक यह धा.त रोग
सिंघार हरे मेदबीरजबधे बाढ जुस्याकी
रोग रामोरमे स्त्रीनेके दोऊ सुंदररूपमनो
जं १० इति मूसलीपाक स्र.य छे हारापा
कडरमलछंद चारसेर तें.व छे हेरे आध
सेरत्तामे औटावो आधसेरपुन गो.नीः

रकतरोग हरे रोग मेह के सकंलन हरे हरे पित्त के
सकल रोग मंदिन मसूर रस कलन नमन रकरे कार
मीठा भोजन खाइ पाक कौ बटै पुष्ट बल नबी
ज स्त्रै जौबन मद माती रूप सदा नी ना
री सो मन मोद चरै ११ ५ लौ छ हार पाक स्व
पपैरा पाक छुपै लै कुहेड़ हेंड परपक छी
लटकौ काकरवावौ पांच सेर कु दडर सदुार
सुतो दूप चावौ मद स्त्री चमन जाइ जौबत
बपीवौ बनावौ सो लहटं कांप मांन घीउ

सौ तादिपं चावौ पा च सेर मीस. हैं. री संरस
ताकौ करे पाक जब तामैं कसार पुन मेलै
मेलक हौ। आषद जु अब । त्रिकुटा त्रिफला
चु: चतुर जात तालीस तावर औरे पुन ताली
स रग गेरन तिलन गज पीपर मेथी दंती त्रि बी च
बक सह पीपलमूल नकवलु मदाखगर लौग
बंस लौचन तुक्क चूरजावैफर कठकरे चबी
उमोथा स्रवरता जममासानो गोमरू आसग

सकल मिलि लोजिये पल्ल अन्न अक औषद ॥

थके सो जधर सिंधो से मल जछा नम सजी कं
द मिलावो कंद बिदारी अकर सिं घ्रा रेस्व मे।
पावो जाइ फल जावत्री के सरया मेली जोये
सो रहे सोर हे मासे औषद मध्यन करे वापा
के मैं टंका टंका नेर मुटी बाइ प्रात अनुरा
गामे अमल पितमंदा गनी पाडुपु मेह नसा
वे रक्त पीत अरुघइ स्वास खबीर जे खटा
वै आसी बिरक्तकौ पुरष षा इ फिर मोत नहीं

वै बदे कांन अर्ध बणाजरे अबसपां ९
धोवै गुरली ओगपरै नंहीबठे अनंगउदे ९
है मैं सोवै पेवापाकडांबनारीजीनैनेदमें ९
१२ रविपेवापाक अपआवरपाक छपैआ
वे सेरपरपक आवकोरस निकासवै षांड ।
वे तुरगुनमेलषांड समपानीपावैरसतेंआ
धे घीउआवै कां असैंवधरमरें चसैघतें.
आध मरखतें आधीपीपरसकलडारमें ः

तंपात्रमैंलोइकरहुसौंफेरीयेंमत्रुआाव
वैत्रबलैनेद्दकारएद्दत्रोबधफिरडारीयैमी
पाधनीयातेडपातनौलनीसत्रिकुटतजडी
रादेपीपरमूलेदारचीनीजुपतहजसक
लैत्रोबदैमेलेहोरफिरपाकसीतेजबत्र
रधसेर।फिरसद्दतडारकरसकलेपिड
तबआावपाकयाकौंकद्दतराबोचिक
नैंपात्रमैपजनंरजोजनप्रपमदहीबा

रपुष्ठहोयगात्रमैं हरैरोगछकस्वासकों
सबंनीद्र अरुपीनसबईरोगतेंरमनेंतत्र
अनंतपित्तपुनज्वरतीनदिनचोथपित्तज्ञा
ह एंनसेकैकमिलनायाह त्रियकुष्ठकंडूपुनही
यगद अरसन्यफारासो म्रसूनज्वरकैबज्ज
करद्वंद्व छारनारमनेंपुत्रनौदीरघ आपुब
नीवोरजउत्तमजनजउनमनेंपुत्रज्ञानजंत
औसेउपजेंनाहसुतत्राइजउबूटीनारतेंहन

हे॥२॥ संततजाचै बंधानी रीझाए पुत्रजु नत
तनसुखपाव षाइजुबूडो पुरष.तलन होइला
इ संतत छिनगजबनेंदप. गतमलतवै गरु
नसु तैाछि.चल्छन षाइ ग्रांवकोपाक इदस.
कजु दहकोरोग हर परम राग अनरैगेजु
तसोनारी संग भोग करे १३॥ इति श्रावरपा
क ग्रष चौव चीनी मजून. बैष चौवची
नीपजाह मिसकाल जीजे. छइलघुए

नाहिरमतीनतीनजानीये मोतीसुरह मू
गानंगवदारचीनीसोवपीपरमिसकानजी
रै देह देह मरसुनीये उदबेदसननंरतग
रसुफलीमूपुनरेबंद मिलनेकोनतीनतीनप
दबपानीयेमसलकी अगरमापसतरमुस
केकंगकेसरपुनआवर ५ एमिंकोनकूटछो स
लियेगाजरमूलीसनगमरनकेबीजसुत
उपुनखुादमनसुरससुपेदतोदरीजरदस

बूरे वहि चीनी दो ऽ दो ऽ दर मेलै सकल कू
ट अस्त छानीये कगोरे रेषचावै ॥ गा ऊजवा
अल बांदरंज बोयाफिरल्यावै ॥ फूलगुला
व मंगाये पुन अंवर छिलूरा आनीये इन
औषदि के काप कर अरधरहे ते छानेपे
षोर षिरका अंवरका सनी षरचजावै इन
के बीजसन ऽसदस मिसका जमगावै
इनके सीरे काठ ताहका हमैं पावे सोमि

सकाज गुनाव अधकापुता दिमिलावै आ
वसेरसीरी वै अवरजै अनार सीरी सुरं सअ।
वं[illegible] बीह सीरी सकल जुदी सो सो मिसकी
दंसं सजै औषद ते विगुंनी मधु असु मिस
रीहुारदं सकल रसन अरु को ठे मा दि कि
मामसंवारदं प्रथ मकुटजे धरे सकलनें
औषद मजै वा वो सि[illegible]ध टोइ माजून
बकुड. मेके पदि पावो मगाज बिदामं

सेंदुर मिरगमद अरु करपूर खर पाकी
गोली करै दै सब जनि सकौ भावै संदु
ग नि मिट जाइ लिंग दिढता अधकावै
पाडु काषइ स्वास अरु जे ब्रण मे दहरै
श्रम बीरज इसंपन नु होइ करे जबना
री संगम पुर करै ब्रनन कौ धरै सबदेव
न सेवन कर्यौ मोहदै क अनंग मै बढाइ
है सिव मित्र मुष्य सो न चर्यौ १५ अप

बारउरस्यंजनदारचीनीजाइफलत्रौ
कवाबचीनीबरसालेबेंदमरीदमरी
लेरलैपगकरषलेरसकौलैकूटकैरषो
डपावलेरतिनमैंपावै दधसैरलेरडार
इदहबोहाबनवावै जबबोहाहोइजाइ
सेमबेरलेरगोलीकरै – मुटीआइपीवै
दधकौबीजस्यंजनकौकरै १६ अथर
सबाजीकीलछपे कलकतेबकपडल

नरउ आवपानपार दलीजै गंधकेपन
सोरंह सज्जर कचोरेकीजै टंकफुलनेकर
मासउतिनमै घोटबनावै घीकुवारसका
ढबकुरतामे घुटवावै सोसकैकोकपरोटा
करतामै औबदद्वाराफिरसीसी हंडीपा
मादिधरहंडीपोकोकरियेस्वांगसीतहोए
जाइ तब औषधकोटिधरीये जोजरंगउ
बहोइजाइ तबलीजैपन जरलेपलपन
मेपनसैंत जर तीनदिनलोंओवनेरहंडीया २

करपूर लौंग जाइफल पीपर मिरिग समदमे
क लहंटंक चार चूरन सुं लै बनाईये मासा
चार नित पान सौं चंद्रोदय रस षाईये १७
जरा हरै बल कौ करै सकल रोग कौं षोइ
पासम सुन पुंरष नवकौ औरन औषद
कोइ १८ इति चंद्रोदय रस अथ पा लिंगले
पु दोहा जोतीफलै अरहफेन पुनकसन
धतूरे बीज महमी छून सुं लै पकरयद

सबमंरदनकोज लिंगलेपपदकोजीपे
मुदरातताहिबचार ॥ दोहा लिंगदिढ़ताम
हा लिंगसथ्यालताजोइ ॥१९॥ अन्या अ
सगंधगजपीपरहरदीपारदडार कैस
नथलूरेबाजबमजातीफल निरधार अ
रअदफेलमिलाइ करिघितमैं सकल
घुटाइ लिंगलेपनरजोकरैलिंगस्थ्या
लताजाइ ॥२०॥ अन्या मनसलकुठल

ची ख्रकर स्हहा गालमाइ काठ चंखे लीपा
तर सहन सो कैनप चाइ सिधु होइ जंखे ले
नपहरापिपा च मै डुगरा पे जांइ लेपंन क
र उलिंगापर लिंग स्पिय लन ताजांइ २१ ख्रल्प
स्पृ लन कालो गडपीपर ख्रस गंथपुन कुंव
घरदटीम बरवन मगावौ मदद्द बीघी
ह तैसौ घोटे लेपकर लिंग मदास्पू ल
करावो २२ ख्रन्या मर चेसी धोपी पैरन

गरकुटाई होइ ॥ अपामार गइ खकुठंनत
सर सौंतर दओ होइ ॥ आसगंध पुन चूंनक
रसहत संग घुट वाइ लेपन मरदन करते
लिंग दीरघ होइ जाए २३ अथ दइ पारसको
अ कर करा पुन जाइ फल आसगंध मिल
वाइ खिसटा डार कपोत की कुरकट अं
ड मिलाइ घोट तिलो के तेल मै लेपन
कौ लै कोइ दय सको नौजा सनै नासलिं

री॥ फिरि बहुरि सो पुनि आवै॥२६॥ सोरठा॥ मा
स रकत औ धातु लै नारी कौ रस काढि कै पष्य
तु धुर ले त्यों तक ढ ग कार सो वरस जीवै॥२७॥
कन्या के घृत सो कै इध सो के माषी सो षांड
चौरे न बध कौ मास नार म तिद सब रोग वढा
ई॥२८॥ कबित॥ जैसे तद स ट के ढार नौ द की
कडू दे माहि नीव के रे आ च ता द द बह
पी की जो पै पारद फिर रटे कद स ज सत मैं मि
ल्यार कै हू जां रपा चपा न न के रस मैं चौ

कर॥ असीद दिन अंतर दिन तिन बाद भोजन
न सोषी चरी सद्द नरोटा पप्पादीजै बैदबर॥
ल दोहा कुटलं न सचिकन नर मरक चया
सेवन नै जान अरन बरन बत्तं करण समांद
हसु परमान समान ३०६ तिरसा पण अंगजवा
रस जानी नुस कबित्त नजदार चीनी सोव
पीपर मो चरस मोधा नोंग छेवु जाप चोद्द
खिन सा मग्ग इयो नग रचुन सजा नुकस मो
रपग चो चिरा य ता नै कोस रत्र स्रह क्रुव दिरम

एवार चौबचीनी सेवन विधान पहिस्तु जा
नै विधि करै नर जोइ पुरुष नौतन सरीर पाइ
३४५ इति चौबचीनी सेवन अथ असगंध सेव
जुगत कवित्त बाइ और पित बिना सकरे
जिद सेवन ते अज्ञान जुदा न्यो ओर सबस्नू
मस्वास कास मदोसी जो हूं बि. कारस. ३ बसा
नौ धात करै तन मो टो धरै अत और मदाख
नकारी मां न्योरत और उपाव सनज इ. ष
पहपर मर सोएन जा न्यो ३४६ इति असगंध से

वन अथ अभ्रक पाग तन गोखरू मगड संग संग
केथ केथ रथा मे सदं रित मांहि षाडु संग निषाई
ये. सुव सोट मत माहि पीपर संग मिसर माहि
सहत तैसो च संतोरित सेवन नव नाई ये पीसीम
नकाटे षाए चरखन नकर रूपखाटे षाइये उबा
लम तन गन हरी को चाहीये ऐसे जो गम गकरे
सेवन जो अभ्रकपा कौ ता के तन मा ह कहं रोग
नहि पाईये ३५. इति अभ्रकपा सेवन इति बा
जीकरन रसायन कथन नाम सपतमो ध्याये ७
अथ पंच पषाव रंगा रूप मात्र छंद कछु तन कक

फं स्त्र रु बा एकारी पित्त द्दस्त बुध्यांन द्दरन कीषु
ध्यां बन्न कें करे १ द जों तें कों मुनं ज्ञांन १ मूः
गी सी तन्नि दे ष द्वारी मो ग क्नु न लि द्द स म मांने
कफ पित्त रु ध्यर स्त्रुं रु चिक द्दसरा बात कारी
चले २ बात करता बो जे ध्यर तो ग्रांट की गुन
ना ष कफ पित्त रु ध्र रु बिकार करता बात रु
रता माष रु कफ पित्त बा पु ग्र रु चि द्दरी पु
हू कर है दे द्द मा २ मूः ग ज्ञां त समान कोषा ।
चरी कै रै गुन ए दे ४ बा ए रूष बिनास का
री पित्त कारी ज्ञान गुन ओर भी चरी जो करे

करेमों माघ नांन समांन ५ कफ कौं नरु चि
तारं जु करै कूर ह्वै धं नांन जु षीर खंट का करै
कफ पित्त कौं हरै जु सकल न समार ह्वै मं गमो
वनकी बेड़ी ले घु सीतन बाद्ह बषान कफ पि
त हर ता बान करै ता माघ बेट कसु जान ७
बैद्ह सन नाकफ पित पवन दूर नीकट्ठ परका
व.नकर ह्हर है पान मारुन सही ८ नवनजु
त हूत नकोकट्ठ सुन परम पित जुह ९ बिनल
वनकी ने परका वद्द कट्ठ मट्ठा ग रि ९ ऐ मोह ध

रा दोषद रनैं निहार बातहि दिष्ट बीरज कों करैं तन ॥
छुऊं सत्त बीरज निहार १३ सुर सीत स्वरूप पुनपि
त द्रव है कौत्रसा क सु जान कफ बायु हरता
मेधि कों पुन गांधार सों पद्द चान १४ चोगा कक
है ऽ रज्वर करै पंद्र बायु कों अत अंत त्रिदोष
केरता सीत सुर नैगम कहीं तू हां बुधवंत १५
चौतनाई सुर हिम पित्त कफ बिसेस धर तगदकों
हरे न हु सीतरो ची चेतु सुर बादोषकोप न क
रै १६ त्रिदोष केरता त सन गुरु सुर सों के गुन

राकरे कफ बाय को त्रय पित्त हारी दोष त्रय सीत
कफ हर बात को पीडा सकरे त्रा दोष ॥२१॥ त्रस नग
रम बायु हरे हरउ कफ गद दोष त्रा त्र मूली दो
ष हर हर णा त्रि ध क रि है दोष ॥२२॥ मि गमा सहर
हिये औ त्रय पउ र नि र दोष रू षो सीत ससि कछु
छे पूषित्त उ तस के अत्रय छु नक हसीत ॥२३॥ नि
र दोष सीत त्र छा गपत्र के और त्री मे न बाठ क
फ करे सा वि गो रि ष र बा सप सि धा पुन बाह ॥२४॥
तित्र र त्र वा घर को छि डा स नि र दोष स्त्रे दे स दोष।
निर दोष छि डा बटेर अरू कुकर करे कफ को दो.

हनैदेव नासानकोपावै पावैतजोबिरुधअव
रबिचांरकरैनरअतो अगनपचा १ अबतुतोन
छिनकरसम माघ नोजनक सौ अंस तद्दाएनी
रजकरै अत्नपमात्र अतमात्र पायोबिनपानन
हरै २२६ तिबिरुधाहार सोठमरच अरुपीप
रत्रिकुटागा कोजांन हरडबहेडा आवलाबि
फलानाताद्रिबबान तेजपातचजनार चौबिस
मधुकहजात २१० सिं गंकेसरपामैमिलैतोक ३
हीपहंचतुरजान २० सिंधोसोचरबिडलवंण ॥

सांन्नरपुनकचतौन इकदोइतै चारपुनपांचचौं
नकहितीन।३१ सोउचौक चौ ताकेंना पांचन्नाम
न्नतोहि५ पंचकोनपुनमार चौऊ नक हौ सउम
गसोइ ३२ साजाछुनजवबार मिलनंबारदोए
बबान मिलैसुद्दा गाता हि मैं तीन बार सोजा
न ३३ पाडरबेलनकु सेरपुन मोनाक स्वरगाजा
न पं चमूनकहौ बिरूध कौ संख्या दृढपदचा
न ३४ होइकटाइ गाबरू दोइपर नीस मलेन
पंचेमूजनपुजास होइ पंचमूलनदसमूलंनरेध

दु
केसंगा कोरेड छ मास कुष्ट नेनन दारिलवावटेर
मोरमोर गोसे गोरेबोन चूर थाइ उकडूरंनके मा स मू
त्रमलत्वे धूपानकर दसोदिनको सेपात्र मेरखो
वैद्य घ्रितसमयेदी' घ्रितमधु दोन्यो तुल्यकर षान्हि
र मौ चढ़ी नहीं ५० नीबूरसकापूर केसंग षीर
बिवजानतेलते स्रस्त्र अहफेनके तेलनीर बिष
मानधा इति बिरध आहार कवित बांगनोट
चूरकातमल हूत सारंगो परओरबार सिंहाबो
लाककै बिचारकै रसमंजरी औररससंत बसमु

चटांवे गरजगिरे औरसवैं। खमांसाफीमर
तीमिचौरली तीनतीनरत्तीलेव गरजगीराखन
कीदारू ई सब गेजलपसाजार घाट्टे मां माशूद
रत्तीलनेबकीमासे ४ चारपसेजरपानीनिचूर
सनानबरकरपदूर गेलीखाइ तीनदिन दजनेवा
खाने कूंटे गरजगिर दारू हरतालतोलो १ छि
लकरीवडेकातोला १ जैफाचीडुध सिंगरपव
रलतीनदिन गेलीजरुमालपसेट बंगफकलो

॥ दवा खांसी की ॥ इलाइची छोटी के बीज मा
से १० तज मा० १० पत्रज मा० १० पीपल मा० १०
मिश्री पैसे २ छोहारा पैसे २ मलहटी पै
से २ मनका दाख पैसे २॥ सहत पैसे १८
सभ औखद कूट के कपड छाण कर के सहत
त मिलाय दे बुरा कूं पैसा पैसा भर सहित
सबर खा खांसक असर जाय ॥ पुन ॥ म
घपीपल मासे ८ मिरच मा० ८ गुलवंद